जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत
कोटा

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

कोटा, मंगलवार 8 फरवरी, 2022

विचार बिन्दु

अपने शत्रु से प्रेम करो, जो तुम्हें सताए उसके लिए प्रार्थना करो। -ईसा

आंकड़ों के भ्रम जाल में उलझी भारत की गरीबी

भारत की गरीबी आज भी आंकड़ों के भ्रम जाल में उलझी हुई है। आजादी के 75 सालों के बाद भारत में गरीब और गरीबी पर लगातार अध्ययन और खुलासा हो रहा है। इसका मतलब है सरकार के लाख प्रयासों के बाद भी देश में गरीबी कम होने का नाम नहीं ले रही है। आज भी हमारा देश अमीरी और गरीबी का खेल खेल रहा है। यह हमारे लिए दुर्भाग्यजनक है। देश में अमीरी और गरीबी के हालात पर गौर करें तो पाएंगे कि अमीर दिन-प्रतिदिन अमीर होता जा रहा है और गरीब की गरीबी लगातार बढ़ती ही जा रही है। इस बात को हमने अक्सर सुना है लेकिन ये सच साबित होती दिख रही है। देश में अमीर-गरीब के बीच खाई बढ़ती ही जा रही है। इससे लगता है कि केंद्र सरकार की तमाम कोशिशों के बाद भी इसमें किसी तरह की कोई कमी नहीं आई है। भारत में आर्थिक विकास का लाभ कुछ ही लोगों को मिल रहा है। यह चिंता की बात है। अरबपति की संख्या में बढ़ोत्तरी संपन्न अर्थव्यवस्था का संकेत नहीं है। यह असफल आर्थिक व्यवस्था का एक लक्षण है। अमीरी और गरीबी के बीच बढ़ता विभाजन लोकतंत्र को कमजोर करता है और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है।

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के मद्देनज़र राजनीतिक पार्टियों नें अमीरी-गरीबी पर सियासत शुरू कर दी है। कांग्रेस मोदी सरकार पर गरीबी बढ़ाने का आरोप लगा रही है तो भाजपा इसके लिए कांग्रेस को जिम्मेदार बता रही है । कुछ सर्वेक्षणों में मोदी राज में भारत में गरीबी घटने की बात कही गयी थी तो हाल ही आये कुछ सर्वेक्षणों में गरीबी बढ़ती बताई जा रही है। कुल मिलाकर देखा जाये तो देश की गरीबी आंकड़ों के मायाजाल में फंसी दिखाई दे रही है। विभिन्न स्तरों पर गरीबी खत्म किये जाने के दावे स्वतंत्र विश्लेषक सही नहीं मानते हैं। मगर यह अवश्य कहा जा सकता है कि पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन के प्रयास जरूर सिरे चढ़े हैं। सरकारी स्तर पर यदि ईमानदारी से प्रयास किये जाये और जन-धन का दुरूपयोग नहीं हो तो भारत शीघ्र गरीबी के अभिशाप से मुक्त हो सकता है।

हाल ही के विभिन्न आर्थिक सर्वेक्षणों पर यकीन करें तो हमारे देश में पिछले कुछ वर्षों में गरीबी और अमीरी के बीच खाई बढ़ती ही जा रही है। इसका मतलब साफ है गरीबों की आय में गिरावट और अमीरों की आय में वृद्धि होती जा रही है। विशेषकर कोरोना महामारी के दौरान लगाए गए लॉकडाउन और अन्य बंदिशों का सबसे अधिक असर कमजोर वर्ग पर पड़ा है। आंकड़ों के मुताबिक भारत में जहां गरीबों की आमदनी में 53 फीसदी की गिरावट देखी गई है, वहीं अमीरों की कमाई में लगातार वृद्धि हुई है। हालांकि भारत ही नहीं अपितु दुनियाभर में कोरोना महामारी कहर बनकर टूटी है।

पीपल्स रिसर्च ऑन इंडियाज कंज्यूमर इकॉनमी के सर्वेक्षण में कहा गया है कि पिछले पांच वर्षों में सबसे गरीब 20 प्रतिशत भारतीय परिवारों की सालाना घरेलू आय करीब 53 प्रतिशत कम हो गई। इसी तरह, निम्न मध्यम वर्ग के 20 प्रतिशत लोगों की घरेलू आय भी 32 प्रतिशत घट गई। इस सर्वेक्षण के अनुसार, बीते पांच वर्षों के दौरान देश के सबसे अमीर 20 प्रतिशत लोगों की आय 39 प्रतिशत बढ़ गई।

पीपल्स रिसर्च ऑन इंडियाज कंज्यूमर इकॉनमी के सर्वेक्षण में कहा गया है कि पिछले पांच वर्षों में सबसे गरीब 20 प्रतिशत भारतीय परिवारों की सालाना घरेलू आय करीब 53 प्रतिशत कम हो गई। इसी तरह, निम्न मध्यम वर्ग के 20 प्रतिशत लोगों की घरेलू आय भी 32 प्रतिशत घट गई। इस सर्वेक्षण के अनुसार, बीते पांच वर्षों के दौरान देश के सबसे अमीर 20 प्रतिशत लोगों की आय 39 प्रतिशत बढ़ गई। यह सर्वेक्षण मुंबई स्थित पीपल्स रिसर्च ऑन इंडियाज कंज्यूमर इकॉनमी संस्थान ने अप्रैल से अक्टूबर 2021 के बीच कराया था। इसे 100 जिलों के 120 नगरों और 800 गांवों में कराया गया। इससे पूर्व वर्ल्ड इकॉनमिक फोरम में ऑक्स फैम की एक रिपोर्ट जारी की गई। जिसमें बताया गया असमानता यूं तो पूरी दुनिया में बढ़ी है, लेकिन भारत में स्थिति बहुत गंभीर है। यहां मार्च 2020 से नवंबर 2021 तक 4.6 करोड़ लोग एक्सट्रीम पॉवर्टी में चले गए। पूरी दुनिया में इस बीच जितने लोग गरीबी की दलदल में फंसे, यह संख्या उसकी आधी है। मार्च 2020 से नवंबर 2021 के बीच देश के 84 फीसदी परिवारों की कमाई में कमी आई। शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 15 फीसदी से ऊपर चली गई लेकिन इसी दौर में देश के अरबपतियों की संख्या 102 से बढ़कर 142 हो गई, जबकि उनकी संपत्ति 23.1 लाख करोड़ से बढ़कर 53.2 लाख करोड़ तक जा पहुंची। इस दौर में भारत अरबपतियों की संख्या के मामले में अमेरिका और चीन के बाद तीसरे नंबर पर पहुंच गया। भारत में आज इतने अरबपति हैं, जितने फ्रांस, स्वीडन और स्विट्जरलैंड को मिलाकर भी नहीं हैं।

दुनिया से जब तक अमीरी और गरीबी की खाई नहीं मिटेगी तब तक भूख के खिलाफ संघर्ष यूँ ही जारी रहेगा। चाहे जितना चेतना और जागरूकता के गीत गा लो कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। अब तो यह मानने वालों की तादाद कम नहीं है कि जब तक धरती और आसमान रहेगा तब तक आदम जात अमीरी और गरीबी नामक दो वर्गों में बंटा रहेगा। शोषक और शोषित की परिभाषा समय के साथ बदलती रहेगी मगर भूख और गरीबी का तांडव कायम रहेगा। अमीरी और गरीबी का अंतर कम जरूर हो सकता है मगर इसके लिए हमें अपनी मानसिकता बदलनी पड़ेगी। प्रत्येक संपन्न देश और व्यक्ति को संकल्पबद्धता के साथ गरीब की रोजी और रोटी का माकूल प्रबंध करना होगा। आज भारत विश्व भुखमरी सूचकांक में बेहद लज्जाजनक सोपान पर खड़ा है तो इसके पीछे भ्रष्टाचार, योजनाओं के क्रियान्वयन में खामियां और गरीबों के प्रति राज्यतंत्र की संवेदनहीनता जैसे कारण ही प्रमुख है। गरीबी भूख और कुपोषण से लड़ाई तब तक नहीं जीती जा सकती है, जब तक कि इसके अभियान की निरंतर निगरानी नहीं की जाएगी।

- अतिथि संपादक
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल मंगलवार 8 फरवरी, 2022

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, मंगलवार, विक्रम सम्वत 2078, भरणी नक्षत्र रात्रि 9.27 तक, शुक्ल योग सायं 5.05 तक, विष्टिकरण सायं 7.23 तक, चन्द्रमा रात्रि 4.09 पर वृष राशि में प्रवेश करेगा।

ग्रह स्थिति : सूर्य-मकर, चन्द्रमा-मेष, मंगल-धनु, बुध-मकर, गुरू-कुम्भ, शुक्र-धनु, मकर-राहु, केतु-वृष राशि में संचार करेगा।

स्वार्थ सिद्धि योग और ज्वालामुखी योग, रात्रि 9.27 से आरंभ होगा। भद्रा प्रात: 6.23 से सायं 7.23 तक रहेगी। आज दुर्गाष्टमी, भीमाष्टमी, भौमअष्टमी है। **राहुकाल** 3.00 से 4.30 तक सूर्योदय 7.15 सूर्यास्त 6.09

मेष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य में प्रगति होगी। नौकरी पेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृष
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

मिथुन
आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे, नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सिंह
धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक कार्यों में उचित परामर्श मिल सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

तुला
व्यावसायिक सम्पर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ कार्य संपन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों में राहत मिल सकती है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं।

मकर
घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में सुख-सुविधायें बढ़ेंगी। पारिवारिक व व्यावसायिक कार्य से संबंधित यात्रा संभव है। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा।

कुंभ
व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी और व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

मीन
व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भाग-दौड़ रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक सामाजिक समारोह संपन्न हो सकते हैं।

इकॉनोमी को सहेजता लाचार किसान

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

किसानों की आय में बढ़ोतरी के लाख दावे किए जा रहे हों पर सरकार के ही नेशनल सैंपल सर्वे की हालिया रिपोर्ट कहानी कुछ और ही बयां कर रही है। एनएसएस सर्वे की ही मानें तो जुलाई, 2018 से जून 2019 के बीच जुटाए गए आंकड़ों से यह साफ हो गया है कि किसानों की खेती से औसत मासिक आय केवल और केवल मात्र 829 रु. ही है। यानी कि खेती किसानी भले ही अर्थ व्यवस्था को मजबूत आधार प्रदान कर रही है पर इसमें हाड़तोड़ मेहनत करने वाले किसान के लिए तो खेती आजादी के 75 साल बाद भी फायदे का सौदा नहीं बन पाई है। हालांकि यह निकश दो साल पुराने आंकड़ों के आधार पर है पर कमोबेस हालातों में कोई ज्यादा बदलाव नहीं देखा जा सकता। दरअसल खेती में आय की तुलना में लागत में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। सरकारों का अब जीरो बजटिंग खेती की बात करने का एक बड़ा कारण यह भी हो सकता है। परंपरागत खेती की और किसानों को ले जाने की बात होने लगी है। इसमें कोई दो राय नहीं कि देश में कृषि उत्पादन में खासा बढ़ोतरी हुई है। इससे भी दो राय नहीं हो सकती कि कृषि निर्यात भी बढ़ा है। पर खाद-बीज से लेकर सिंचाई के लिए पानी, बिजली, उपकरण, श्रम लागत सभी महंगे हुए हैं। दूसरी ओर फसल आने के समय उनके पूरे भाव मिलना आज भी किसानों के लिए मुश्किल भरा है। एमएसपी पर शत-प्रतिशत खरीद की बात पर हो सकता है। विशेषज्ञ इसीलिए जोर दे रहे हो, पर यह नहीं भूलना चाहिए कि लाख प्रयासों के बावजूद समर्थन मूल्य पर खरीद व्यवस्था ले देकर गेहूं, चावल, गन्ना, कपास, सरसों, सोयाबीन, उड़द-मूंग से आगे नहीं निकल पाई है। अन्नदाता को अपनी उपज का भाव खुद तय करने की बात करना तो अभी बेमानी ही होगा।

यह सब तो तब है जब आर्थिक विश्लेषक यह साफ कर चुके हैं कि अर्थ व्यवस्था या यों कहें कि जीडीपी को उपर-नीचे करने में खेती किसानी की बड़ी भूमिका है। दो साल के कोरोना के कटु अनुभव ने यह सिद्ध कर दिया है कि जिंदगानी बचाने का खेती ही बड़ा आधार है। सवाल यह उठता है कि इस खेती किसानी के मालिक अन्नदाता किसान के हालात कब और कैसे सुधरेंगे। पिछले दिनों तीन कृषि बिलों को लेकर हुए आंदोलन सामने हैं। हालांकि अब तीनों बिल वापस ले लिए गए हैं ऐसे में उनका विश्लेषण करना कोई मायने नहीं रखता। किसानों के नाम पर स्वामीनाथन आयोग का राग भी खूब अलापा जा रहा है और अब पांच राज्यों में चुनावी बिगुल बजने वाला है। किसानों के कर्जे माफी से लेकर ना जाने कि वायदे किए जाएंगे। ऐसा नहीं है कि यह पहली बार होगा अपितु यह तो चुनावी एजेंडा ही बन गया है। किसान आंदोलन और कृषि बिलों के गुणावगुण को लेकर वोट मिलने नहीं मिलने का आकलन किया जा रहा है। यह सब सामने है पर यक्ष प्रश्न यही है कि आखिर अन्नदाता इन लॉलीपॉप के भरोसे कब तक चलेगा। ऐसा नही है कि नेशलन सैंपल सर्वे ने यों ही निष्कर्ष निकाल लिया हो अपितु बड़ी बारीकी से अध्ययन किया गया है। यदि रिपोर्ट की माने तो किसान की औसत आय 10218 रु. आंकी गई है। इसमें से फसल से होने वाली आय 3798 रुपए आती है। 1582 रु. पशुपालन से तो 4063 रु. बतौर वेतन मानी गई है। अन्य छुटपुट आय अलग। अब खेती की औसत मासिक आय 3798 में से 2959 रु. तो खेती पर ही खर्च हो जाते हैं। इनमें खाद-बीज, कीटनाशक, सिंचाई, बिजली या डीजल, उपकरण, मजदूरी आदि खर्चे जोड़े जाते हैं तो यह 2959 रु. हो जाते हैं। यानी कि हाड़तोड़ मेहनत के बाद किसान पाता है 839 रु. प्रतिमाह।

यक्ष प्रश्न वहीं का वहीं रह जाता है कि आखिर किसानों को उनकी मेहनत का पूरा पैसा कैसे मिले या यों समझें कि खेती-किसानी कैसे लाभ का सौदा बने। यह तो अब साफ होता जा रहा है कि नई पीढ़ी की खेती किसानी में रुचि दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है। शहरों की ओर पलायन होता जा रहा है। पर कोरोना के पहले दौर को याद करना बेहतर होगा। जब प्रवासी श्रमिकों का रेला का रेला गांवों की ओर प्रस्थान कर रहा था। बड़ी ही डरावनी तस्वीर देख चुके हैं। हालांकि हालातों में अभी भी ज्यादा बदलाव इसलिए नहीं माना जा सकता कि कोरोना की तीसरी लहर की चेतावनी सामने है। हालात वैसे बनते भी जा रहे हैं कोरोना के नए दैत्यावतार ओमीक्रॉन के संक्रमण की रफ्तार चिंता का कारण बनती जा रही है। ऐसे में गांवों पर निर्भरता बढ़ेगी। इसलिए देश दुनिया की सरकारों को गांव आधारित अर्थव्यवस्था बनानी ही होगी। इस तरह का मॉडल विकसित करना पड़ेगा जिससे गांवों में खेती और रोजगार दोनों के अवसर विकसित हो सकें।

यह विषयांतर होगा पर मूल यही कि किसानों की औसत आय बढ़ाने के ठोस प्रयास करने ही होंगे। इसके लिए कृषि विज्ञानियों, अर्थशास्त्रियों, नीति निर्माताओं को गंभीर मंथन करना होगा। लॉलीपॉप के रुप में तात्कालिक लाभ की घोषणाओं से कोई फायदा नहीं होने वाला है। देश जानता है कि ऋण माफी की कई घोषणाएं हो चुकी हैं यदि इसी से अन्नदाता का भविष्य सुधरना होता तो हर चुनाव के पहले कर्ज माफी का बिगुल नहीं बजाना पड़ता। कोई ना कोई ठोस प्रयास करने ही होंगे। इसके लिए सरकारें यदि चाहे तो दीर्घकालीन नीति बनाकर आगे बढ़ सकती हैं। एक तरीका यह भी हो सकता है कि अन्नदाता का नकद लाभ देने के स्थान पर उन्नत बीज, खाद, कीटनाशी आदि नि:शुल्क या सस्ती दर पर उपलब्ध कराया जाए ताकि यह आदान खेती किसानी में ही काम आकर उत्पादन बढ़ाने में सहायक हो, फिर खरीद की भी समुचित व्यवस्था हो तो हालातों में सुधार देखे जा सकते हैं। इसका एक और लाभ होगा कि तिलहन-दलहन जैसी फसलों के उत्पादन के लिए किसानों को प्रेरित किया जा सकेगा और देश इस क्षेत्र में भी आत्म निर्भर हो सकेगा, विदेशों से आयात पर खर्च होने वाली अरबों रुपए की विदेशी मुद्रा बचेगी। इस तरह के अनेकानेक उपायों पर मंथन और क्रियान्वयन का अब समय आ गया है। इसलिए समय रहते ठोस प्रयास करने ही होंगे।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मरू महोत्सव से पूर्व कलेक्टर ने की गड़ीसर पर सफाई

जैसलमेर, (नि.सं.)। कलेक्टर डॉ प्रतिभा सिंह ने मरू महोत्सव से पूर्व झाड़ू लेकर गड़ीसर सरोवर पर सफाई अभियान की शुरुआत की।

गड़ीसर सरोवर पर सैकड़ों लोगों ने इस मुहिम में हिस्सा लेकर गड़ीसर सरोवर की सफाई की। आगामी 13 फरवरी से शुरू होने जा रहे मरू महोत्सव को देखते हुए पर्यटन स्थलों को साफ सुथरा रखने की मुहिम सोमवार से शुरू हुई । जिला कलेक्टर ने कहा कि हर टूरिस्ट प्लेस को चमकाएंगे ताकि आने वाले सैलानियों को स्वर्ण नगरी साफ सुथरी नजर आए। सफाई अभियान के दौरान जिला कलेक्टर के साथ नगर परिषद सभापति हरिवल्लभ कल्ला , पूर्व जिला प्रमुख और जिला परिषद सदस्य अंजना मेघवाल, नगर परिषद आयुक्त शशिकांत शर्मा , सिविल डिफेंस , स्काउट गाइड , नेहरू युवा केन्द्र के सदस्यों सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

- **‘हर टूरिस्ट प्लेस को चमकाएंगे ताकि आने वाले सैलानियों को स्वर्ण नगरी साफ सुथरी नजर आए’**

मरू महोत्सव से पूर्व कलेक्टर डा. प्रतिभा सिंह ने गड़ीसर सरोवर में सफाई अभियान चलाया।

एक सौ सात बसंत देखने के बाद वृद्धा का देवलोकगमन

खैरथल, (निसं)। वर्तमान समय में जहां मानव जीवन की औसत आयु निरंतर घट रही है, ऐसे में एक मातृशक्ति एक सौ सात साल स्वस्थ आयु को प्राप्त करने के बाद देवलोक सिधार गई।

शहर की पुरानी मंडी के पैट्रोल पम्प के समीप रहने वाली मोहरादेवी ने अपने जीवन के 107 बसंत ऋतु पूरी तरह से स्वस्थ रहते हुए सोमवार को परलोक सिधार गई। नामदेव रोहिल्ला समाज के प्रदेश अध्यक्ष टेलर मास्टर मोहनलाल ने बताया कि उनकी माता जी धार्मिक प्रवृत्ति की होने के साथ सात्विक भोजन और सनातनी परंपरा का पालन करने वाली थी। सोमवार को भोर के समय अचानक ही उनकी हृदय गति रुक गई। उन्होंने बताया कि माताजी को एक सौ साल की उम्र में फिर से दांत निकलने लगे थे और सिर के बाल भी काले हो गये थे।

एक सौ सात साल उम्र की जीवन जीने वाली महिला।

बेजुबानों के लिए फरिश्ता बन रहा है कोटपूतली का गोविन्द

कोटपूतली। किसी ने सही कहा कि अपने लिये तो हर कोई जीता है जो बेजुबान जीवों लिए जीता है उसे ही जीवन कहते हैं ।

घटना पावटा निकटवर्ती ग्राम बावडी में पाउडर फैक्ट्री के सामने रविवार शाम सात बजे कुछ श्वानों ने एक नील गाय पर हमला कर उसे घायल कर दिया, जिसे ग्रामीणों ने छुड़ाकर घटना की सूचना एल.एस.ए. गोविन्द भारद्वाज को दी। सूचना मिलते ही भारद्वाज ने परिवार के सदस्यों के साथ मौके पर पहुँचकर घायल नील गाय का उपचार किया। उपचार के बाद नील गाय की हालत में सुधार है । इस दौरान डॉ गौरीशंकर शर्मा मामराज कुमावत, जीव प्रेमी मोहित शर्मा, मनोज बंसल, विक्रम अम्बीकेश्वर, सुरेश गिठाला, कैलाश ताखर आदि ने उपचार में मदद की।

- **भतीजे की बारात मे जाते समय रास्ते में किया घायल नील गाय का उपचार**

गौरतलब है कि भारद्वाज अपने भतीजे देवेन्द्र की बारात में जा रहे थे तभी उन्होंने पहले बेजुबान जीव का उपचार करना जरूरी समझा। उन्होंने बेजुबान जीव का उपचार कर एक विशेष सन्देश दिया है। डॉ गौरीशंकर शर्मा ने बताया कि मनुष्य अपनी पीड़ा व्यक्त कर सकता है। ये बेजुबान अपनी पीडा व्यक्त नही कर सकते है। इनका जीवन बचाना ही हमारा परम धर्म है।

पावटा निकटवर्ती ग्राम बावडी में पाउडर फैक्ट्री के सामने कुछ श्वानों ने एक नील गाय को घायल कर दिया जिसकी सूचना पर एल.एस.ए. गोविन्द भारद्वाज ने मौके पर पहुंचकर उपचार किया।

करौली में पशु मेला 16 से 23 तक

करौली (निं.स) संयुक्त निदेशक डॉ. खुशीराम मीना ने बताया कि जिले में 16 से 23 फरवरी तक पशु मेला आयोजित किया जायेगा व 11 फरवरी से पशु मेले की चौकी स्थापित हो जायेगी।

इस संबंध में उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार पशुपालक मेले में पशु खरीदेगा उसे मेला अधिकारी अथवा उनके द्वारा मनोनीत अधिकारी को आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना अतिआवश्यक है। उन्होंने बताया कि क्रेता को स्वयं के नाम की जमाबंदी की नकल कृषि भूमि होने बाबत् दस्तावेज एवं पहचान पत्र की प्रति, क्रय किये गये पशुओं को कृषि कार्य, दूध उत्पादन में उपयोग में लेने का शपथ पत्र, क्रय किये गये पशु को ईयर टैग लगवाना एवं पशु स्वास्थ्य प्रमाण जारी करवाना आवश्यक है। पशु परिवहन के उपयोग में आने वाले बडे ट्रक मे 6 बडे पशु से अधिक नही होने चाहिए तथा वाहन में पशुओं के पैरों के नीचे कुशन एवं साईडों में बोरी लटकानी होगी ताकि उनकी खाल नही छिले।इसके साथ ही पशु परिवहन के समय वाहन के साथ पशुओं की देखभाल,चारा,पानी के लिए श्रमिक सहायक के रूप मे चलना चाहिए।

नोखा और लूणकरनसर के दो युवकों ने विवाह में दहेज के बजाय एक रुपया और नारियल लिया

बीकानेर, (कासं)। विवाह में लाखों रुपए के गिफ्ट्स लेने की परम्पराओं के इस दौरान में लूणकरनसर और नोखा के दो सामान्य युवकों ने महज नारियल और एक रुपया लेकर मिसाल पेश कर दी है। धीरेरां गांव के विकास गोदारा और नोखा के सिंजगुरु गांव के मूलचंद पिलानिया ने बिना दहेज शादी करते हुए हम उम्र युवाओं को बड़ा संदेश दिया है।

लूणकरणसर के विकास का विवाह श्रीविजयनगर के हरीसिंहपुरा निवासी आत्माराम नेहरा की बेटी रेखा से हुई। दुल्हन के पिता ने फेरे की रस्मों के बीच लेनदेन, नकदी सहित सभी रीति-रिवाज पूरे करने की जिद की तैयारी कर रखी थी। कई तरह के बड़े उपहार और नगदी तक देने की परम्परा शुरू होने ही वाली थी कि विकास ने कुछ भी लेने से साफ मना कर दिया। दूल्हे विकास के नाना हरीराम धतरवाल ने उसकी भावनाओं का समर्थन किया तो बारात में आए सभी लोगों ने इस निर्णय की सराहना की।

- **धीरेरां गांव के विकास गोदारा और नोखा के सिंजगुरु गांव के मूलचंद पिलानिया ने संदेश दिया है**
- **‘बहू के रूप में कन्या धन की प्राप्ति होने के बाद दहेज कोई मायने नहीं रखता’**

विवाह के दौरान रिश्तेदारों को कुछ रुपए देने की परम्परा (मिलनियां) भी नहीं हुई। एक दूसरे को अंगूठी पहनाने की रस्म भी नहीं रखी गई।

दूल्हे विकास और दुल्हन मोनिका दोनों ग्रेजुएट हैं। दोनों ही प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। हरीराम धतरवाल ने बताया कि शादियों में दहेज की कामना रखने वालों को संदेश देने के लिए ये पहल की है। बहू के रूप में कन्या धन की प्राप्ति होने के बाद दहेज कोई मायने नहीं रखता। विकास ने बताया कि उसे खुशी है कि शादी बिना दहेज हुई। उल्लेखनीय है कि विकास से छोटे दो भाई और हैं जिन्हें विकास पढ़ा रहे हैं,विकास खुद बीकानेर में प्राइवेट नौकरी कर अपना घर चला रहे हैं। उधर, नोखा के मूलचंद पिलानिया ने भी महज एक रुपए और नारियल लेकर दहेज जैसी कुप्रथा को हटाने का संकल्प लिया। सिंजगुरू निवासी रामचन्द्र पिलानिया ने बेटे मूलचंद की शादी बिना दहेज की। दुल्हन पक्ष से सिर्फ एक रुपए नारियल लेकर पूरी शादी की।

बीकानेर निवासी श्रीराम कुंदन की बेटी मोनिका से मूलचंद का विवाह हुआ। दुल्हन के पिता ने फेरे की रस्मों के बीच लेनदेन, नकदी सहित सभी रीति-रिवाज पूरे करने की जिद की। दूल्हे के पिता रामचन्द्र पिलानिया ने शादी में हर चीज के लिए साफ मना कर दिया। इसके अलावा बैंडबाजा किराया तक भी दुल्हन पक्ष से नहीं लिया। दूल्हा मूलचंद सरकारी स्कूल में टीचर हैं और दुल्हन मोनिका भी शिक्षित है। दूल्हे की मां रामप्यारी पिलानिया पूर्व में गांव की सरपंच रह चुकी है। पिलानिया ने बताया कि शादियों में दहेज की कामना रखने वालों को संदेश देने के लिए ये पहल की है। बहू के रूप में कन्या धन की प्राप्ति होने के बाद दहेज कोई मायने नहीं रखता। बदलते दौर में दहेज प्रथा एक बड़ी बुराई है। वर मूलचंद ने बताया कि उसे खुशी है कि शादी बिना दहेज हुई। रामचन्द्र पिलानिया के समधी श्रीराम कुंदन का कहना था कि अपनी हैसियत के अनुसार बेटी को कुछ देने की परम्परा निभाना चाहते हैं लेकिन वर पक्ष ने साफ मना कर दिया। ये बड़ा संदेश है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोन:- 2386031, 2386032 फैक्स:- 0744-2386033 वर्ष: 47 संख्या: 116 प्रभात कोटा, मंगलवार 8 फरवरी, 2022 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

विदेशी पक्षी, ग्रेट क्रैस्टेड ग्रीब हुरडा तालाब में पहली बार नज़र आया है। विभिनन्प्रकार के जलीय आवासों, जैसे, झील, कृत्रिम जल निकाय, धीमी गति से बहने वाली नदियों, दलदल, खाड़ी, व लैगून आदि के पास पाए जाने वाले ये पक्षी प्रजनन के लिए छिछले पानी वाले जलाशयों को चुनते हैं पानी के किनारे ऐसी जगह पर घोंसला बनाते हैं, जहां वनस्पति की उपलब्धता हो। सर्दियों में ये पक्षी बर्फीले प्रदेशों से कम ठंड वाले प्रदेशों की तरफ जाते हैं। भारत में शीत ऋतु के दौरान ये प्रवासी पक्षी ठंडे प्रदेशों में प्रवास करते हैं। ग्रेट क्रैस्टेड ग्रीब पश्चिम यूरोप, ब्रिटेन, आयरलैंड, दक्षिणी व पूर्वी अफ्रीका के कुछ हिस्सों एवं ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड के निवासी हैं। पर्यावरणविद् राहुल राठी ने हुरड़ा तालाब पर ली यह तस्वीर साझा की है। पेशे से एक अर्बन प्लानर राठी, वर्तमान में उदयपुर कार्यरत हैं। यह पक्षी पहले भीलवाड़ा के आसपास के क्षेत्रों में रिकॉर्ड किया जा चुका है, लेकिन हुरडा तालाब में सम्भवतः यह पक्षी पहली बार दिखा है।

डेरा सच्चा सौदा के मुखिया राम रहीम को पंजाब चुनाव से ठीक पहले हरियाणा की भाजपा सरकार ने रिलीज़ किया

राम रहीम को 20 वर्ष की कैद की सज़ा मिली है, अपनी आश्रम की दो महिलाओं के रेप के कारण तथा एक पत्रकार की हत्या के कारण उम्र कैद की भी सज़ा मिली हुई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 फरवरी। पंजाब के चुनावों से ठीक पहले, पड़ोसी राज्य हरियाणा की भाजपा सरकार ने, स्वयं को बाबा कहने वाले गुरमीत राम रहीम सिंह (52), जो डेरा सच्चा सौदा प्रमुख हैं, को सोमवार को जेल से 21 दिन की छुट्टी दे दी है। राम रहीम को अपनी दो शिष्याओं के साथ दुष्कर्म के जुर्म में 20 साल की कैद तथा एक पत्रकार की हत्या करने के जुर्म में उम्र कैद हुई थी। उन्हें गुरुग्राम में रह रहे अपने पारिवारिक सदस्यों से मिलने के लिये छोड़ा गया बताते हैं। पंजाब और हरियाणा में (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **राम रहीम के पंजाब में 84 सत्संग घर हैं तथा पंजाब के मालवा क्षेत्र में उनके अनुयायी, 35-40 सीटों के नतीजों को प्रभावित करते हैं।**
- **अगस्त 2017 में, जब उन्हें रेप व हत्या के जुर्म के कारण न्यायालय ने सज़ा सुनाई थी, उस समय पंचकुला व सिरसा में भारी हिंसा फैली थी तथा 41 व्यक्तियों की इस दंगे में मौत हुई थी तथा 200 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे।**

रिवर लिंकिंग प्रोजैक्ट के सख्त विरोध में हैं पर्यावरण शास्त्री

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **इनके अनुसार हर नदी का इकोसिस्टम होता है, पर दो नदियों को जोड़ने से दोनों नदियों का इकोसिस्टम खतरे में पड़ जायेगा।**
- **इसके अलावा आज की प्रतिस्पर्धी राजनीति में कोई राज्य अपने ''अतिरिक्त पानी'' को दूसरे राज्यों को देने के लिये कतई राजी नहीं होगा।**
- **2004 में, वाजपेयी जी के शासन काल में दमनगंगा व नर्मदा को जोड़ने का सैद्धांतिक निर्णय लिया गया था, पर प्रोजैक्ट अभी एक इंच भी आगे नहीं बढ़ा है।**

नई दिल्ली, 7 फरवरी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कई राज्यों में नदियों को जोड़ने के प्रोजैक्टों के लिये प्रावधानों की घोषणा की है, जिससे पर्यावरणविद काफी नाराज हैं।

बजट तथा मोदी सरकार अपने ''ग्रीन'' क्रडैन्शियल्स की कसमें खाते हैं और बहुत जोर-शोर से कहते हैं कि वो ऐसे सबसे बड़े पर्यावरण मित्र हैं, जो पर्यावरण संरक्षण पर अन्तर्राष्ट्रीय समझौतों के अनुरूप चलते हैं। लेकिन एक्टविस्टों का कहना है कि, नदियों को जोड़ना पर्यावरण के लिहाज से एक बहुत ही ज्यादा अमानवीय कार्य है तथा ऐसा करने से नदियाँ तथा संबंधित जीव एवं वनस्पति जगत मर जायेंगे। उनका कहना है कि प्रत्येक नदी की अपनी पृथक अस्मिता एवं स्वीकार्यता होती है तथा हर नदी का एक विशिष्ट एवं अगल ईको सिस्टम होता है।

नदियों को जोड़ने से उनकी निजी विशिष्टता में कमी आ सकती है तथा इनका पृथक ईको सिस्टम नष्ट हो सकता है। इन नुकसानों की भरपाई होना संभव ही नहीं है तथा ऐसा करने से बहुत सी प्रजातियाँ खत्म हो जायेंगी। नदियों से जोड़ने से, अनजाने में ही, आक्रामक प्रजातियों का नदियों में प्रवेश हो जायेगा, जो नदियों की प्राकृतिक प्रजातियों को मार कर खत्म कर सकती हैं। सैन्टर फॉर साइन्स एण्ड एन्वारनमैंट (सी.एस.ई.), जो अत्यधिक प्रख्यात पर्यावरण संरक्षण ग्रुप है, ने सरकार की कड़ी आलोचना की है तथा कहा है कि नदियों को जोड़ने को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में जो मुकदमे चल रहे हैं, सरकार उनकी अनदेखी कर रही है।

सी.एस.ई. ने कहा है कि, जब सर्वोच्च न्यायालय ने केन नदी को बेतवा नदी से जोड़ने की कोशिश को दी गई चुनौती पर अभी तक अपना फैसला नहीं किया है, उस स्थिति में इस प्रोजैक्ट को पैसा आवंटित कर देना, सबसे बड़ी अदालत के फैसले को पहले ही अपने पक्ष में मान लेने जैसा है। नैशनल वाइल्ड लाइफ बोर्ड ने जिस दबंगता के साथ इस प्रोजैक्ट को मंजूरी दे दी है, उस तौर-तरीके की भी सी.एस.ई. ने कड़ी आलोचना की है।

केन और बेतवा को जोड़ने के इस प्रोजैक्ट की लागत बहुत ज्यादा होगी तथा इसके कैचमैंट एरिया में रहने वाले लोग भी इस प्रोजैक्ट के खिलाफ अदालत चले गये हैं। इस प्रोजैक्ट पर 45000 करोड़ रू. से ज्यादा राशि खर्च होगी।

विशेषज्ञों के अनुसार, केन और बेतवा नदियों के जोड़े जाने से मध्य प्रदेश के पन्ना टाइगर रिज़र्व का कोर एरिया जल-आप्लवित हो जायेगा। यह प्रोजैक्ट टाइगर रिज़र्व का पूरा केन्द्रीय क्षेत्र जल-आप्लावित कर देगा तथा टाइगर आसपास के क्षेत्रों में जाने को मजबूर हो जायेंगे।

ऐसी किसी कार्यवाही से पन्ना टाइगर संरक्षण की दिशा में की गई पहल पंगु हो जायेगी तथा कुछ लोगों को तो यह डर भी है कि, आगे चलकर, इस क्षेत्र के बहुत से मांसाहारी जानवर कहीं और भेजने पड़ेंगे। इसके मूल क्षेत्रों के अवश्यंभावी जल प्लावन के कारण इस प्रोजैक्ट क्षेत्र के टाइगर भी और कहीं भेजने पड़ेंगे। वित्त मंत्री ने नदियों को जोड़ने के पांच अन्य प्रोजैक्टों का उल्लेख किया था, जिनकी ड्राफ्ट प्रोजैक्ट रिपोर्टों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। ये प्रोजैक्ट हैं-

दमनगंगा-पिंजल
पार-ताप्ती-नर्मदा
गोदावरी-कृष्णा
कृष्णा-पेन्नार

लेकिन इन नदियों के तटवर्ती राज्य अभी तक नदियों को जोड़ने वाले इन प्रोजैक्टों को लेकर सहमत नहीं हुए हैं। बताया जाता है कि अभी तक एक भी राज्य अन्य राज्यों को अपनी नदियों का पानी देने के लिये तैयार नहीं है। इसलिये, नदियों को जोड़ने वाले ये प्रोजैक्ट अभी विवादाग्रस्त हैं।

दमन गंगा तथा नर्मदा के इस प्रोजैक्टों पर मूल चर्चा 2004 में अटल बिहारी वाजपेयी के प्रधानमन्त्रित्व काल में हुई थी। लेकिन, इन पर सर्वसम्मति नहीं बन सकी थी क्योंकि इनके क्रियान्वयन के प्रत्येक मुद्दे को लेकर अन्तर्निहित असहमतियाँ थीं।

अब केन्द्र सरकार इन प्रोजैक्टों को एकाएक पारित नहीं कर सकती।

वैक्सीन लगाने के लिये आधार कार्ड अनिवार्य नहीं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 फरवरी। कोविड वैक्सिनेशन के लिये बने पोर्टल, ''कोविन'' पर आधार नम्बर के बिना रजिस्ट्रेशन नहीं किया जा सकता, लेकिन केन्द्र ने सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि, आधार अनिवार्य नहीं है।

- **सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा, नौ पहचान पत्र, जैसे पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसैंस, पैन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि दिखाकर भी वैक्सीन लगवायी जा सकती है।**

केन्द्र ने कहा कि, कोई भी व्यक्ति नौ पहचान-दस्तावेजों में से किसी एक की सहायता से रजिस्ट्रेशन करा सकता है तथा उसे वैक्सिनेशन के समय प्रस्तुत कर सकता है। इन पहचान-दस्तावेजों में शामिल हैं- पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसैंस, (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अगर आप कार/स्कूटर खरीदने वाले हैं तो, एक अप्रेल तक रूकें!

इस वित्तीय वर्ष में इलैक्ट्रिक वाहन 30 प्रतिशत सस्ते होने वाले हैं!

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **निर्मला सीतारमण ने ''बैटरी आदान-प्रदान'' करने की सुविधा दी है नये बजट में।**
- **इलैक्ट्रिक कार की कीमत 30 प्रतिशत इसलिये घटेगी, क्योंकि अब बैट्री, जो इलैक्ट्रिक कार का सबसे महंगा उपकरण होता है, कार के साथ नहीं खरीदना पड़ेगा।**
- **बैट्री सप्लाई करने वाला कोई एजेन्ट, कुछ ''सिक्युरिटी डिपॉज़िट'' लेकर बैट्री की सेवा प्रदान कर देगा।**

नई दिल्ली, 7 फरवरी। अगर आपको नई कार या स्कूटर खरीदना है तो 1 अप्रैल से शुरु होने वाले नये वित्तीय वर्ष की प्रतीक्षा कीजिये, क्योंकि इस समय इलैक्ट्रिक वाहनों की कीमतें 30 प्रतिशत कम हो जाएंगी तथा चार्जिंग पॉइन्ट्स पर बहुत लंबा समय लगने का झंझट खत्म हो जायेगा। क्योंकि चार्जिंग पॉइन्ट्स की संख्या इतनी नहीं है कि ये हर जगह पेट्रोल पम्पों की संख्या को मैच कर सकें।

यह सब, 1 फरवरी को ''बैटरी स्वॉपिंग पॉलिसी'' पर केन्द्रीय बजट के उस एक पैराग्राफ की वजह से सम्भव होगा, जिस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया था।

अब आपको चार्जिंग पॉइन्ट्स ढूंढने नहीं पड़ेंगे। यह इसलिये संभव है, क्योंकि वित्त मंत्री सीतारमण विद्युत-वाहन खरीदने वालों का विशेष ध्यान रख रही हैं: ''बड़े पैमाने पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिये, शहरी इलाकों में स्थान के दबाव को ध्यान में रखते हुये, बैटरी स्वॉपिंग पॉलिसी लाई जायेगी तथा इन्टर-ऑपरेबिलिटी स्टैन्डर्ड प्रतिपादित किये जायेंगे।

प्राइवेट सेक्टर को ''बैटरी या एनर्जी एज़ अ सर्विस'' के लिये प्रामाणिक एंव नवीन बिज़नैस मॉडल विकसित करने के लिये प्रोत्साहित किया जायेगा। इससे ई वी इको-सिस्टम की दक्षता बढ़ेगी।''

विद्युत-कारों की कीमत 30 प्रतिशत कम हो जायेगी, क्योंकि आपको उन बैटरियों की कीमत नहीं देनी होगी जिनकी कीमत, कार की कुल कीमत की 30-40 प्रतिशत होती है। सरकार विद्युत -वाहन खरीदने के लिये खरीदारों को और भी रियायतें देने की योजना बना रही है, जिससे खरीदारों की (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जे.एन.यू. की पहली महिला वाइस चांसलर

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 फरवरी। सरकार ने पुणे की सावित्री बाई फुले यूनिवर्सिटी की कुलपति शांतिश्री धूलिपुड़ी पंडित को सोमवार को नई दिल्ली की जवाहर लाल नेहरू युनिवर्सिटी (जे.एन.यू.) की प्रथम महिला कुलपति नियुक्त किया। पूर्व में आई.आई.टी. दिल्ली से सम्बद्ध वाइस प्रोफेसर एम. जगदीश कुमार को युनिवर्सिटी ग्रान्ट्स कमीशन (यू.जी.सी.) का नया चेयरमैन बनाया गया है। 15 जुलाई 1962 को रूस (यू.एस.एस.आर.) के सैंट पीटर्सबर्ग (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **शांतिश्री धुलीपुड़ी, जो अभी तक पुणे की सावित्री बाई फूले युनिवर्सिटी की वाइस चांसलर थीं, अब जे.एन.यू. में अपना चार्ज संभालेंगी।**

यूरोप में भारी ''डिप्लोमैटिक'' गतिविधि; यूक्रेन के संकट को युद्ध में परिवर्तित होने से रोकने के लिये

यूरोप के दिमाग व मन में स्मृतियां खत्म नहीं हुई हैं, प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध की, जब छोटी-मोटी घटनाएं कारण बनी थीं, अन्तर्राष्ट्रीय समर की

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **इन कूटनीतिक प्रयास में सबसे अहम् भूमिका फ्रांस व जर्मनी की है।**
- **फ्रांस इस वक्त यूरोपियन यूनियन का अध्यक्ष है, वैसे भी फ्रांस का एतिहासिक रूप से रूस पर काफी गहरा असर है। रूस का एकीकरण करने वाले सम्राट पीटर द ग्रेट ने रूस को फ्रांस के सांचे में ढालने का पूरा प्रयास किया था। यहां तक कि, रशिअन रिवोल्यूशन से पहले, रूस की अधिकृत भाषा फ्रैंच थी। लेखक व विचारक, पेरिस जाते थे। बुद्धिजीवी गतिविधियों के लिये।**
- **जर्मनी को कैश व ऑयल पहुंचाने के लिये रूस ने बड़ी लम्बी व विशाल पाइप लाइन, नार्ड स्ट्रीम बिछायी है। नार्ड स्ट्रीम, जर्मनी के लिये एनर्जी लाइफ लाइन है, पर साथ ही रूस के लिये इकोनॉमिक लाइफ लाइन भी है। इस पाइप लाइन के अलावा, अपना मुख्य उत्पादन, गैस व आयल को बेचने का कोई साफ रास्ता नहीं है।**
- **जर्मनी के चांसलर शोल्स, पहले अमेरिका के राष्ट्रपति और रूस के राष्ट्रपति से मिलेंगे। रूस भी शोल्स की 15 फरवरी की रूस की यात्रा से पहले, शायद कोई आक्रमक कदम नहीं उठायेंगे।**

नई दिल्ली, 7 फरवरी। किसी ऐसी संभावित चिंगारी को बुझाने के प्रयास जोर-शोर से किए जा रहे हैं, जो यूरोप के पश्चिमी हिस्से में किसी आक्रामक युद्ध की शुरुआत कर सकती है।

चूंकि यूरोप के स्मृति पटल पर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध की यादें स्थायी रूप से ताजा हैं, इसलिए यहां किसी छोटे युद्ध से भी डर लगता है कि, वह कहीं कोई बड़ा रूप धारण ना कर ले।

इस तनावपूर्ण स्थिति को शांत करने के तरीकों पर विचार-विमर्श के लिए फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्राँ, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से सोमवार को मॉस्को में मुलाकात कर रहे हैं।

दुनिया की एक दूसरी राजधानी, वॉशिंगटन में जर्मनी के नए चांसलर ओलाफ शोल्स अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से मिलेंगे। रूस की चुनौती से निबटने के लिए पश्चिमी शक्तियों की एकता के प्रदर्शन को लेकर यह मुलाकात काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह माना जा रहा था कि, यूक्रेन के मुद्दे पर कोई एकीकृत रूख अख्तियार करने से जर्मनी टालमटोल कर रहा है।

इन त्वरित मीटिंग्स के बाद जर्मनी के चांसलर शोल्स का 15 फरवरी को रूस के राष्ट्रपति से मुलाकात का कार्यक्रम है।

सामरिक विशेषज्ञों का मानना है कि, रूस-जर्मनी संबंधों के महत्व को देखते हुए पुतिन, जर्मनी के इस नए चांसलर से मुलाकात करने से पहले तक कोई सैन्य कार्यवाही नहीं करेंगे। नॉर्डस्ट्रीम-2 नामक नई पाइप लाइन यूरोप में दूर-दूर तक बिछायी जा रही है ताकि रूस के तेल और नैचुरल गैस को जर्मनी तक ले जाया जा सके।

नॉर्डस्ट्रीम-2 को यदि जर्मनी के लिए एक एनर्जी लाइफ लाइन माना जाए, तो रूस के लिए यह एक आर्थिक लाइफ लाइन है। यूक्रेन से गुजरने वाली यह पाइप लाइन तेल व गैस तथा अन्य जरूरी वस्तुएं पश्चिमी यूरोप को बेचने में रूस की मदद करेगी। यूक्रेन की सीमा पर सैनिकों का जमावड़ा है, इसलिए व्लादिमिर पुतिन एक तरह से मुश्किल में पड़े हुए हैं और उनके लिए कुछ ही विकल्प शेष हैं। क्योंकि, यदि एक बार आक्रमण कर दिया गया तो, इसके श्रृंखलाबद्ध परिणामों को रोकने के लिए (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हिन्दुस्तान ज़िंक पर जुर्माना

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 फरवरी। नैशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एन.जी.टी.) ने हिन्दुस्तान ज़िंक लिमिटेड तथा अन्य पर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना किया है क्योंकि इन्होंने राजस्थान के उदयपुर क्षेत्र में भूजल के पर्यावरण संबंधी नियमों एवं मानकों को क्षति पहुँचाई है।

- **नैशनल ग्रीन टिब्युनल ने इस कम्पनी पर 25 करोड़ रूपये का जुर्माना लगाया है, क्योंकि कम्पनी की औद्योगिक गतिविधि से ग्राउण्ड वाटर (भूमिगत पानी) को काफी नुकसान हुआ है।**

एन.जी.टी. द्वारा यह फैसला 2 फरवरी को दिया गया, जब ट्रिब्यूनल उन विभिन्न याचिकाओं की सुनवाई कर रहा था, जिनमें प्रोजेक्ट प्रस्तावों द्वारा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दरगाह थाना सर्किल के सीओ का रीडर रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार

एसीबी ने रीडर के साथ उसके दो दलालों को भी घूस मामले में गिरफ्तार किया है

अजमेर, (कासं)।भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अजमेर ने दरगाह थाना सर्किल के सीओ पार्थ शर्मा के रीडर को रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घूस की नकदी बरामद की है। एसीबी ने रीडर के साथ उसके दो दलालों को भी घूस मामले में गिरफ्तार कर लिया है। गंज थाने में दर्ज गैंगरेप और युवती के भगा ले जाने के मामले में एफआर लगाने के एवज में आरोपी पक्ष से दो लाख चालीस हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। रिश्वतकांड में शर्मा की भूमिका भी संदेह के घेरे में है।

जानकारी के अनुसार उदयपुर निवासी विनोद कुमार वर्ष 2001 में इनके साले और ससुराल पक्ष के खिलाफ गंज थाने में गैंगरेप और युवती को भगा ले जाने के आरोप में मामला दर्ज हुआ था। इस मामले की जांच डिप्टी पार्थ शर्मा कर रहे हैं। शर्मा ने इस केस की तफ्तीश की। जिम्मेदारी अपने रीडर हवलदार भागचंद रावत को सौंप दी। भागचंद के हाथों में केस की फाइल आते ही दलाल भी सक्रिय हो गए। भागचंद रावत ने गैंगरेप के इस मामले में एफआर लगाने के लिए विनोद कुमार से तीन लाख रुपए की मांग की, लेकिन सौदा दो लाख चालीस हजार में तय हो गया।

अजमेर एसीबी के गिरफ्त में रिश्वत के आरोपी।

विनोद कुमार इतनी बड़ी रकम भागचंद और उससे जुडे दलालों को नहीं दे सकता था। इस वजह से उसने एसीबी दफ्तर में लिखित शिकायत देकर कार्यवाही की मांग की। एसीबी ने मामले का सत्यापन कराने के बाद केमिकल लगे नोट देकर विनोद को भागचंद के पास भेज दिया। भागचंद ने छह फरवरी को केस से जुड़े आरोपियों को गंज थाने बुलाकर पूछताछ की और उनके बयान दर्ज किए। इधर एसीबी की टीम गंज थाने को चारों

■ **गैंगरेप के एक मामले में एफआर लगाने की एवज में मांगी थी ढाई लाख की घूस**

ओर से घेर चुकी थी। रात करीब दस बजे हवलदार भागचंद रिश्वत के साठ हजार रुपये विनोद से लेकर गंज थाने के पिछले दरवाजे से रफू चक्कर हो गया।

एसीबी हवलदार भागचंद का पीछा करते करते माखुपुरा स्थित उसके ठिकाने पर पहुंच गई और भागंचद को रिश्वत के आरोप में धर लिया। एसीबी को देखते ही भागचंद ने रिश्वत में लिए गए साठ हजार रूपए टॉयलेट में फेंक दिए। इस घूसकांड मामले में एडवोकेट मनीष और कुशाल सिंह राव की भूमिका दलाल के रूप में सामने आई है। विनोद की माने तो इस काम के लिए मनीष और उसका साथी कुशाल सिंह राव पिछले कई दिनों से उस पर पैसे देने का दबाव बना रहे थे। विनोद का कहना है कि रिश्वत की पहली किस्त पांच हजार रूपए दरगाह थाना परिसर में दलालों को सौंपी गई।

मालपुरा ब्लॉक के गुम हुए 547 आरटीपीसीआर सैम्पल प्रकरण में नहीं हुई कोई कार्रवाई

मालपुरा बीसीएमओ नहीं दे रहे 6 जनवरी को भेजे गये आरटीपीसीआर की ऑनलाइन सूची

मालपुरा, (निसं)। एक जनवरी से पांच जनवरी तक मालपुरा सीएचसी व पीएचसी सेन्टरों पर लिये गये 547 आरटीपीसीआर सैम्पलों को जांच के लिए मालपुरा बीसीएमओ कार्यालय द्वारा टोंक जिला मुख्यालय लैब के लिए 6 जनवरी को भेजे जाने के बाद 1 महीना बीत जाने के बावजूद टोंक लैब से गायब हुए 547 आरटीपीसीआर का आज तक कोई सुराग नहीं लग पाया।

जिला कलेक्टर व सीएमएचओ सहित स्वास्थ्य निदेशालय द्वारा लापरवाह अधिकारी व कर्मचारियों पर कार्यवाही के बजाय मामले को दबाने का मामला सामने आया। सोमवार को जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल से उक्त प्रकरण को लेकर अब तक जिला प्रशासन द्वारा की गई कार्यवाही की जानकारी चाही गई तो जिला कलेक्टर ने मामले की जांच सीएमएचओ द्वारा किये जाने की जानकारी देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। मीडियाकर्मियों द्वारा जिला चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार यादव से उक्त मामले को लेकर जानकारी मांगी गई तो उन्होंने अवगत करवाया कि प्रकरण में टोंक जांच लैब प्रभारी डॉ. शिल्पी बैनर्जी व मालपुरा सीएचसी प्रभारी डॉ. विद्या मघनानी को नोटिस जारी कर तीन दिवस में

■ **जिला कलेक्टर के निर्देशों व सीएमएचओ के आदेशों की उड़ी धज्जियां**

स्पष्टीकरण मांगा गया था लेकिन आज तक कोई जवाब नहीं दिया गया है।

यहां तक कि बीसीएमओ डॉ. संजीव चौधरी से 6 जनवरी को भेजे गये आरटीपीसीआर की ऑनलाईन की सूची मांगी गई थी लेकिन उनके द्वारा उपलब्ध नहीं करवाई गई। साथ ही बीसीएमओ ने बताया कि पूर्व में गुम हुए 547 आरटीपीसीआर में से 512 जनों के आरटीपीसीआर दोबारा टोंक लैब में भेजे जाने की सूचना भेजी गई है। दोनों सूचियों का मिलान के बाद ही दोबारा भेजे गये सैम्पलों की जमीनी हकीकत सामने आयेगी।

जबकि उक्त मामले में मालपुरा अस्पताल व बीसीएमओ कार्यालय सहित कलेक्शन सेन्टर व ब्लॉक में कार्यरत सीएचए एवं पीएचसी सेन्टरों के सूत्रों से मिली जानकारी में सामने आया कि टोंक लैब से गायब हुए 547 आरटीपीसीआर दोबारा लेना नामुमकिन है। अपवाद स्वरूप मालपुरा सीएचसी सेन्टर पर लगभग दो दर्जन लोगों ने अखबार में खबरे प्रकाशित होने के बाद स्वयं उपस्थित हो आरटीपीसीआर दिये गये हैं। जिनमें से भी 22 जने संक्रमित होने की सूत्रों से जानकारी मिली है।

कोरोना महामारी की तीसरी लहर में इतनी बड़ी संख्या में आरटीपीसीआर लैब से गायब हो जाने के बावजूद स्वास्थ्य निदेशालय, चिकित्सा मंत्री व राज्य सरकार चुप्पी साधे लापरवाह अधिकारी, कर्मचारियों पर कार्यवाही से कतरा रहे हैं तो जिला प्रशासन महज जांच चल रही है का जवाब दे आंकडों में हेराफेरी कर मीडिया को मनघडंत आंकडे बता टोंक लैब प्रभारी, लैब टैक्नीशियन, मालपुरा सीएचसी प्रभारी, बीसीएमओ तथा सैम्पल किट लेकर रिकॉर्ड में रवाना हुए कर्मचारी एवं बीसीएमओ कार्यालय के वाहन चालक को बचाने के प्रयास में जुटे हुए हैं।

डिग्गी नायब तहसीलदार द्वारा बीसीएमओ, कार चालक, कलेक्शन सेन्टर प्रभारी के बयान लेने तथा टोंक लेब में मालपुरा से भेजे सैम्पल पहुंचने के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बावजूद ठोस कार्यवाही नहीं होना आमजन के स्वास्थ्य से खिलवाड़ तो कोविड गाईडलाईन की खुली अवहेलना को दर्शाता है।

20 हजार की रिश्वत लेते चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग का सहायक अभियन्ता और संविदा कार्मिक गिरफ्तार

भीनमाल, (निसं)। जालोर मुख्यालय स्थित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के निर्माण विभाग के सहायक अभियन्ता सुनील माथुर को एसीबी की टीम ने सोमवार शाम को भीनमाल में रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस मामले में विभाग के अकाउंटेंट कुन्दन सुथार व संविदा कार्मिक प्रकाश गहलोत भी आरोपी है जिनमें से संविदा कार्मिक प्रकाश को दस्तयाब कर लिया गया है वहीं अकाउंटेंट कुंदन सुथार अभी फरार है।

जानकारी अनुसार राजुसिंह राजपूत निवासी भीनमाल ने जोधपुर एसीबी की टीम को शिकायत देकर अवगत करवाया कि उसके द्वारा वर्ष 2015 में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग जिला जालोर के वर्क ऑर्डर ईई/एमएच/जालोर/35/2014-15 के तहत ग्राम पाथेडी जिला जालोर में आवासीय क्वार्टर पीएचसी भवन क्षेत्र में बनाये थे। जिसका अंतिम बिल पेश करके कार्य की एनओसी प्राप्त कर ली गई थी। उक्त कार्य का टेन्डर करीब 85 लाख रुपये था जिसमें से करीब 65 लाख का कार्य करवाया गया था।

जालोर मुख्यालय पर स्थित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के निर्माण विभाग के सहायक अभियन्ता सुनील माथुर को एसीबी की टीम ने भीनमाल में रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

उसके बाद वर्ष 2017 में कार्य पूर्ण करवाया जाकर लागत राशि के बिल पास करवाये गये उक्त टेन्डर के कार्य राशि का 10 प्रतिशत सिक्यूरिटी डिपोजिट (एसडी) करीब 6.50 लाख रूपये विभाग में जमा थे।

परिवादी राजुसिंह की एसडी राशि रिलीज करने के बदले में सुनील माथुर सहायक अभियन्ता को भीनमाल में आज परिवादी राजूसिंह से 15000 रूपये स्वयं के व 5000 रूपये अकाउंटेंट कुन्दन सुथार स्वास्थ्य विभाग जालोर के लिये लेते हुए जालोर भीनमाल मुख्य मार्ग पर स्थित होटल कार्प के सामने रंगे हाथों गिरप्तार कर लिया गया। उक्त कार्यवाही की भनक लगने से अकाउंटेंट कुन्दन सुथार मौके से फरार हो गया है। जिसके दस्तायाब की कार्यवाही जारी है तथा संविदाकर्मी कम्प्यूटर ऑपरेटर प्रकाश को दस्तायाब करवाया गया है। जिससे पूछताछ कर

■ **कार्यवाही की भनक लगते ही अकाउंटेंट कुन्दन सुथार मौके से फरार**

अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

ट्रेप कार्यवाही उप अधीक्षक पुलिस कार्यालय में अग्रिम जारी है। कार्रवाई के दौरान कैलाशचन्द्र बिश्नोई उप महानिरीक्षक पुलिस भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो का सुपरविजन रहा जबकि ट्रेपकर्ता अधिकारी डॉ. दुर्गसिंह राजपुरोहित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो एस.यू. जोधपुर रहे। टीम में मेघराज हैड कांस्टेबल, मेघसिंह वरिष्ठ सहायक, कांस्टेबल भंवरलाल, रामचन्द्रसिंह, प्रकाश, गणेश, वाहन चालक खम्माराम बिश्नोई स्पेशल यूनिट जोधपुर एवं दो स्वतन्त्र गवाहान एवं ओमप्रकाश कम्प्युटर तकनीकी सहायक शामिल रहे।

जांच का दायरा घटा तो भीलवाड़ा में घटी संक्रमण की रफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। कोरोना महामारी की तीसरी लहर के चलते जिले में कोरोना संक्रमण को लेकर चिकित्सा विभाग की ओर से की जा रही जांच का दायरा घटने से मरीजों की संख्या में भी कमी आई है। सोमवार को 745 लोगों की जांच में 105 पॉजिटिव केस सामने आये हैं। सबसे ज्यादा मरीज बापूनगर, गंगापुर व रायपुर में मिले है।

आरआरटी टीम प्रभारी डॉ. घनश्याम चावला ने बताया कि शहर के बापूनगर और गंगापुर में 18, रायपुर 17, आसींद व शास्त्रीनगर 11-11, बनेड़ा 2, चपरासी कॉलोनी 3, चन्द्रशेखर आजादनगर व काशीपुरी 1-1, मांडलगढ़ 9, पुर व सांगानेर 4-4, सुवाणा में 1 पॉजिटिव मिला है।

मेघना चौधरी ने बोर्ड सचिव का पद भार ग्रहण किया

अजमेर, (कासं)। राज्य सेवा की वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मेघना चौधरी को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का सचिव का पद भार ग्रहण कर लिया है। चौधरी ने पदभार ग्रहण करने के बाद मीडिया को दिए पहले बयान में कहा कि बोर्ड की परीक्षा समय पर कराना और प्रश्नपत्रों की गोपनीयता बरकरार रखना होगी प्राथमिकता। मेधना चौधरी ने पत्रकारो से रू-ब-रू होते हुये कहा कि उन्होंने अभी पद भार ग्रहण किया है। अब मीटिंग कर स्थिति का पता किया जाएगा कि बोर्ड परीक्षा से संबंधित तैयारियों की वस्तु स्थिति क्या है। उन्होंने कहा कि पूर्व में बोर्ड सचिव और अध्यक्ष पद पर रहे अधिकारियों ने परीक्षा तैयारियों को कहा छोड़ा है उसमें आगे क्या करना है इस पर विचार विमर्श कर उपयुक्त निर्णय किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि

■ **'परीक्षाएं समय पर कराना, प्रश्न पत्रों की गोपनीयता बनाए रखना होगी प्राथमिकता'**

बोर्ड के प्रश्न पत्रों की गोपनीयता बरकरार रखने से संबंधित जो भी उचित होगा निर्णय किया जाएगा।

मौजूदा समय में बोर्ड के सचिव का पद इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि तीन मार्च से वार्षिक परीक्षाएं शुरू होनी है। इन परीक्षा में प्रदेश के 20 लाख परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती बोर्ड में अनुशासन को कायम करने की होगी। यदि बोर्ड दफ्तर में अनुशासन हो जाए तो दूसरी चुनौतियों से मुकाबला किया जा सकता है।

पहली बार पशु चारा और अनाज के भाव बराबर

तूड़ी व बाजरे का भाव 16 सौ रुपए प्रति क्विटंल, 70 साल में चारा इतना महंगा

अलवर, (निसं)। अलवर में पशु आहार और अनाज के भाव एक जैसे हो गए हैं। 70 साल में पहली बार ऐसा हुआ है जब पशु चारा का भाव आसमान छू रहे हैं। ऐसे में किसानों के सामने भी संकट खडा हो गया है। अलवर के बानसूर के गांव की 60 साल की बुजुर्ग महिला व पशुपालक रामा देवी ने कहा कि पशुओं का चारा इतना महंगा पहले कभी नहीं रहा। अब 16 सौ रुपए के आसपास बाजरे का भाव है और 15 सौ से 16 सौ रुपए प्रति क्विंटल ही तूडी के भाव हो गए हैं। इसके कारण पशुपालकों के सामने बड़ा संकट आ गया है।

■ **किसानों का कहना है कि चारा सहित अन्य खाद्य सामग्री महंगी हो गई हैं लेकिन दूध का पहले जितना भाव है**

पशुपालकों का कहना है कि यह सही है कि तूडी का भाव बाजरे के भावों के बराबर है। इस कारण पशुओं को बाजरा बराबर दिया जाने लगा है। गांवों में हालत यह है कि तूडी मिल भी नहीं रही है। गेहूं व जौ की तूडी आसपास नहीं है, इस कारण हरियाणा व पंजाब से तूडी के बड़े डंपर मंगाकर यहां पशुपालकों को बेचा जाने लगा है। वहां से चावल की भूसी भी आने लगी है जो सस्ती तूडी कहलाती है। अब उसे भी पशुपालक काम लेने लगे हैं। कुछ लोग तो पंजाब व हरियाणा से तूडी लाकर यहां बेचने का धंधा करने लगे हैं।

इस समय पशु आहार भी महंगा है। चूरी का भाव 22 सौ रुपए प्रति क्विंटल है, खल 13 सौ रुपए, काकडा 42 सौ रुपए और बाजार 16 सौ रुपए के आसपास है। यह सब पहले से महंगा हुआ है। अब तूड़ी भी बाजरे के भावों के बराबर पहुंच गई है। पशुपालक का कहना है कि चारा सहित अन्य खाद्य सामग्री बहुत महंगी हो गई है। लेकिन दूध पहले जितना भाव है। गांवों में दूध औसतन 45 से 50 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। जबकि तूडी के भाव ज्यादा है। मौजूदा हालात में पशुपालक को बचत नहीं हो रही है। जितना पशु खा रहा है उतने में दूध नहीं बिक पा रहा है। सारे खर्च लगाने पर पशुपालक को घाटा होने लगा है। पशुपालक की यह चिंता बढी है। मौजूदा रबी की फसल आने के समय भाव कम हो जाते हैं। लेकिन इस बार यह गुंजाइश भी कम है। असल में पिछली बार सरसों के भाव ज्यादा रहने के कारण इस बार गेहूं व जौ की बुआई बहुत कम है। सरसों का रकबा बहुत ज्यादा है। गेहूं की पैदावार कम होगी तो आगे तूडी का उत्पादन भी कम होगा। इस कारण भाव ज्यादा रहने की संभावना है।

मार्बल एरिया में श्रमिक की मौत पर हंगामा

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। हरमाड़ा रोड़ स्थित हाईटेक मार्बल में श्रमिक की मौत हो जाने पर परिजनों ने मुआवजे की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया। गांव भोजियावास निवासी मदन मेघवाल उपरोक्त फैक्ट्री में कार्य करता था, कार्य के दौरान अकस्मात तबीयत खराब होने पर मार्बल सिटी हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया, किन्तु उपचार के दौरान इसने दम तोड़ दिया। परिजनों का कहना था कि फैक्ट्री में कार्य के दौरान मौत हुई है, इसलिए मुआवजा दिया जाये। विरोध प्रदर्शन के बीच पुलिस उपाधीक्षक मनीष शर्मा, गांधीनगर थाना इंचार्ज शंभू सिंह, तहसीलदार मोहन सिंह ने समझाईस कर मामले को शांत किया।

13 वर्षीय बालक के मिले कंकाल के मामले में विरोध जारी

अलवर, (निसं)। बानसूर के लोयती गांव में 13 साल के बालक का कंकाल मिलने के मामले में सोमवार को 10 गांवों की महापंचायत बुलाई। पुलिस प्रशासन को इसकी खबर लगी तो महापंचायत को रोकने के लिए कोरोना गाइडलाइन का सहरा लिया। रविवार रात को ही पुलिस ने माइक से अनाउंस कराया कि उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

लोयती गांव के 13 साल का बालक 13 सितम्बर 2021 से गायब था। इसका 12 दिन पहले ही पहाड़ के ऊपर कंकाल मिला था। इसके बाद पुलिस जांच में लगी। बानसूर में गांव के लोग एकत्रित हुए, तब पुलिस ने 10 दिन में मामले का खुलासा करने का आश्वासन दिया। लेकिन पुलिस कोई खुलासा नहीं कर सकी। इतना जरूर पुलिस ने कहा कि ऐसा नहीं लगता है कि किसी ने हत्या करके बालक को पहाड पर फेंका है। डीएसपी ने कहा कि बालक की हत्या कर पहाड में फेंकने के कोई सुराग सामने नहीं आए हैं।

पुलिस की जांच से नाखुश होकर ऐलान किया कि 10 गांवों के लोग लोयती में पंचायत करेंगे। महनपुर, मांची, लाखा का नांगल, परसा का बास, लोयती, कोथल, कोठिया व परसा का बास सहित आसपास के गांव एकत्रित होना तय किया। इसके बाद पुलिस ने रात को ही माइक पर कहा कि भीड एकत्रित नहीं करें। वरना आगे कार्रवाई की जाएगी। कैबिनेट मंत्री शकुंतला रावत ने परिजनों व ग्रामीणों को 13 दिन पहले आश्वस्त किया था कि एक भी धारा कम नहीं लगेगी। इस मामले में किसी तरह की लापरवाही नहीं होगी। ऐसा होता है तो वह आपके बीच में नहीं आएगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को फटकार था कि दोषी 302 का मुल्जिम होना चाहिए। मुझे और गांव वालों के बीच में आकर यह बताओ कि यह आरोपी था। डिप्टी मृत्युंजय मिश्रा ने कहा था कि जल्द खुलासा किया जाएगा।

राजस्थान में दो साल बाद 5वीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी शुरू

14 लाख स्टूडेंट्स के लिए ऑनलाइन फॉर्म जल्द शुरू होंगे

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान में पांचवीं का एग्जाम फिर बोर्ड पैटर्न पर ही होगा। इसके लिए शिक्षा विभागीय पंजीयक कार्यालय ने परीक्षा के लिए तैयारी शुरू कर दी है। राज्य सरकार से हरी झंडी मिलते ही ऑनलाइन फार्म भरने का प्रोसेस शुरू हो जाएगा। हालांकि पांचवीं बोर्ड के फाइनल एग्जाम की डेट्स अब तक तय नहीं है। माना जा रहा है कि अप्रैल में ये एग्जाम होंगे। वहीं, आठवीं बोर्ड के एग्जाम एक बार फिर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की परीक्षाओं के साथ हो सकते हैं। खास बात ये है कि इस बार पांचवीं बोर्ड एग्जाम देने वाले स्टूडेंट्स दूसरी के बाद सीधे बोर्ड पेटर्न पर एग्जाम देंगे।

पिछले साल राज्यभर में करीब 14 लाख स्टूडेंट्स पांचवीं बोर्ड में थे, इस बार भी कमोबेश इतने ही स्टूडेंट्स होने की उम्मीद की जा रही है। शिक्षा विभागीय पंजीयक कार्यालय हर साल आठवीं और पांचवीं बोर्ड परीक्षा के फार्म साथ ही जारी करते हैं, लेकिन

■ **हालांकि पांचवीं बोर्ड के फाइनल एग्जाम की डेट्स अब तक तय नहीं है**

■ **कोरोना के चलते पिछले दो साल से पांचवीं व आठवीं बोर्ड एग्जाम नहीं हो रहे थे**

इस बार पांचवीं बोर्ड का फार्म अब तक जारी नहीं होने से उम्मीद की जा रही थी कि ये परीक्षा बोर्ड पेटर्न पर नहीं होगी। अब शिक्षा विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि परीक्षा इस बार भी बोर्ड पेटर्न पर होगी।

कोरोना के चलते पिछले दो साल से पांचवीं व आठवीं बोर्ड एग्जाम नहीं हो रहे थे। सभी स्टूडेंट्स को बिना एग्जाम के पास किया गया। इस बार बिना एग्जाम पास नहीं किया जाएगा। शिक्षा निदेशालय ने आठवीं बोर्ड के फार्म भरवाने शुरू कर दिए हैं, जबकि पांचवीं के ऑनलाइन फार्म भरने का कार्यक्रम एक दो दिन में जारी हो जाएगा। शिक्षा विभाग ने पांचवीं बोर्ड परीक्षा के लिए प्रस्ताव पिछले दिनों अतिरिक्त मुख्य सचिव पवन कुमार गोयल को भेज दिए थे। जहां से प्रस्ताव को हरी झंडी मिलने का इंतजार हो रहा है। हालांकि ये तय हो गया है कि परीक्षा होनी है लेकिन कब और कैसे होगी? इसकी स्वीकृति सरकार के स्तर पर जारी होगी।

शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों का मानना है कि पांचवीं बोर्ड एग्जाम अप्रैल में हो सकते हैं। इसी आधार पर तैयारी की जा रही है। प्रदेश के सरकारी व प्राइवेट स्कूल्स में अन्य गैर बोर्ड एग्जाम भी इसी महीने में होंगे लेकिन पांचवीं बोर्ड अलग से होंगे।

उदयपुर जिले में 42 पॉजिटिव

उदयपुर, (कासं)। जिले में कोरोना धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। जिले में सोमवार को केवल 42 पॉजिटिव मिले है। वहीं कुल एक्टिव केस 2053 में से केवल 65 ही अस्पताल में भर्ती हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश खराड़ी ने बताया कि जिले में आज प्राप्त 899 सैम्पल जांच रिपोर्ट में से 857 नेगेटिव व 42 पॉजिटिव मिले है।

■ **अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या भी घटकर 65 हुई**

शहरी क्षेत्र में मिले 30 संक्रमितों में एक कोरोना वॉरियर्स, 11 क्लॉज कान्टेक्ट, 16 नए संक्रमित व 02 माइग्रेंट शामिल है।

ग्रामीण क्षेत्र में मिले 12 संक्रमितों में 02 कोरोना वॉरियर्स, 04 क्लॉज कान्टेक्ट व 06 नए संक्रमित है। संक्रमितों का कुल आंकड़ा 72441 हो गया है। इनमें से 69615 रिकवर हो चुके हैं। जिले में एक्टिव केस की संख्या भी घटकर 2053 रह गई है इनमें से 1988 होम आइसोलेटेड व मात्र 65 अस्पताल में भर्ती हैं। जिले में 186 रिकवर भी हुए है।

बिना टिकट पार्सल लाकर रोडवेज बस परिचालक लगा रहे प्रबंधन को चूना

शाहपुरा में व्यापारी से पार्सल का वसूला बिना टिकट मनमाना किराया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के शाहपुरा में रोडवेज बस परिचालक द्वारा अन्य शहरों से कस्बे के व्यापारियों के पार्सल लाने पर बिना टिकट मनमाना किराया वसूला जा रहा है। क्षेत्र के एक व्यापारी से बारां डिपो की बस के परिचालक ने देवली से शाहपुरा तक लाए पार्सल का मनमाना किराया वसूला और वह भी बिना टिकट। एक तरफ ये परिचालक व्यापारियों से मनमाना किराया वसूलते हैं तो दूसरी ओर बिना टिकट पार्सल लाकर रोडवेज प्रबंधन को भी चूना लगा रहे हैं।

बारां डिपो की देवली से शाहपुरा आई बस में व्यापारी रमेश पेसवानी ने ब्रेड के पार्सल मंगवाए थे यहां पहुंचने पर उसका 200 रूपये किराया लेने की बात परिचालक ने कही इस पर व्यापारी ने टिकट की मांग की तो परिचालक ने टिकट देने से इंकार कर दिया और बहस करने लग गया। अंत में परिचालक ने पूरा किराया नहीं देने पर पार्सल नहीं देने

बस परिचालक व्यापारियों से प्रतिदिन पार्सल के लिए मनमानी वसूली करते हैं।

व व्यापारी को थाने ले जाने की भी धमकी दे डाली। बस के परिचालकों द्वारा क्षेत्र के व्यापारियों से प्रतिदिन मनमानी वसूली के इस प्रकार के मामले सामने आते रहते हैं लेकिन रोडवेज प्रबंधन इस ओर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा।

कोटा शहर कांग्रेस अध्यक्ष रविंद्र त्यागी के नेतृत्व में शहर में भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन हुए

कोटा, (निसं)। शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रविन्द्र त्यागी ने बताया कि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया के कोटा आगमन पर राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के खिलाफ अमर्यादित भाषा बोलने बयान बाजी से राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी एवं राज्य की लोकप्रिय सरकार के खिलाफ छवि बिगाड़ने, कोटा एवं प्रदेश में अशांतिद फैलाने एवं उपद्रव पैदा करने के उद्देश्य से सुनियोजित तरीके से कोटा में आकर लोगों की भावनाए भड़काने का कृत किया है।

इसी के खिलाफ शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रविन्द्र त्यागी के आव्हान पर शहर में जगह-जगह कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदर्शन कर नारेबाजी करते हुये भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया के पुतले को जूतों से मारकर जलाया गया जिसमें महावीर नगर चौराहा, घटोत्कच चौराहा, संतोषी नगर चौराहा, छावनी चौराहा, कोटडी चौराहा, कुसंआ चौराहा, गुमानपुरा चौराहा, लालबुर्ज, रामपुरा कोतवाली, नयापुरा चौराहा, कुन्हाड़ी पट्रोल पम्प चौराहा, भीमगंजमण्डी थाने के पास, बोरखेड़ा चौराहा आदि कई स्थानों पर लगभग एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर जूतो से मारकर पुतला फूंका गया। त्यागी ने कहॉ कि भाजपा के नेताओं ने देश की आजादी के समय अंग्रेजों से मिलकर देश के साथ गद्दारी की, देश की आजादी आन्दोलन के अग्रणी महात्मा गांधी, सरदार बल्लभ भाई पटेल, सुभाष चंद बोस, बाबा साहब अम्बेडकर आदि कई कांग्रेसी नेताओं को अपना बनाने का आज भाजपा अपना प्रयास कर रही है। देश की आजादी के बाद भी आज तक भाजपा की जनक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने कार्यालयों पर राष्ट्रीय पर्व पर राष्ट्रीय ध्वज को नहीं फहराते है और बात देश भक्ति की करते है।

कोटा शहर में जगह-जगह भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन किए गए।

भाजपा ने सत्ता में आने के लिए हमेशा धार्मिक भावनाऐ भड़काने एवं आपसी भाईचारे में दरार डालने का ही काम किया है। पुतला दहन में मुख्यरूप से पूर्व नेता प्रतिपक्ष व पार्षद अनिल सुवालका, ब्लॉक अध्यक्ष राजीव आचार्य,संदिप भाटीया, पं. लाल चंद शर्मा, जिला महामंत्री संजय यादव, हिमांशु शर्मा, सेवादल अध्यक्ष हंसराज गोस्वामी, पार्षद हेमराज पांचाल, दीपक कुमार, कुलदिप गौतम, पी.डी. गुप्ता, चन्द्रशेखर रामचंदानी, कमलकान्त शर्मा, रफीक टार्यस, देवेश तिवारी, इशरार मोहम्मद, अंशुल श्रृंगी आदि पार्षद व कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आईजी को दिया ज्ञापनः- शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रविन्द्र त्यागी के नेतृत्व में कांग्रेस के प्रतिनिधी मण्डल ने महानिरीक्षक पुलिस आईजी से मिलकर ज्ञापन दिया है कि 6 फरवरी को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया के कोटा आगमन पर राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के खिलाफ अमर्यादित भाषा बोलने बयान बाजी से राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी एवं राज्य की लोकप्रिय सरकार के खिलाफ छवी बिगाड़ने, कोटा एवं प्रदेश में अशांति फैलाने एवं उपद्रव पैदा करने के उद्देश्य से सुनियोजित तरीके से कोटा में आकर लोगों की भावनाऐ भड़काने का कृत किया है इसके लिए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया के इस कृत के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उचित कार्यवाही की जावे।

सामान्य प्रदर्शन व काले झंडे दिखाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ झूठे मुकदमें लगाये जाने पर प्रतिधिनी मण्डन ने आईजी के सामने विरोध किया साथ ही मुकदमें वापिस लेने की मांग की। प्रतिनिधी मण्डल में एआईसीसी सदस्य पंकज मेहता, कांग्रेस नेता अमित धारीवाल, लाडपुरा प्रधान नईमुद्दीन गुडडू, पूर्व प्रदेश सचिव शिवकान्त नन्दवान, कोटा उत्तर महापौर मंजू मेहरा, दक्षिण महापौर राजीव अग्रवाल, उपमहापौर पवन मीणा, सोनू कुरैशी, कैथून नगर पालिका चेयरमैन आईना महक आदि लोग मौजूद रहे।

ई-व्याख्यान का हुआ आयोजन

कोटा, (निसं)। राजकीय महाविद्यालय कोटा के वनस्पतिशास्त्र विभाग के बोटेनिकल एसोसिएशन के तत्वावधान में विद्यार्थियों के लिए ई-व्याख्यान का आयोजन सोमवार को किया गया। ई-व्याख्यान की प्रमुख वक्ता डॉ. एस.कला, वैज्ञानिक (वानिकी) भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण शौध केन्द्र रही। व्याख्यान के प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. जयन्त कुमार विजयवर्गीय, ने स्वागत किया। विभागाध्यक्ष वनस्पति शास्त्र विभाग डॉ. अंजू कपूर ने बताया कि बोटेनिकल एसोसिएशन में विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास के लिए पाठ्यक्रम से हठकर विभिन्न विषयों से सम्बंधित आधुनिक शोध एवं होने वाले नवीनतम अनुसंधानों से अवगत कराया जाता है एवं शैक्षणिक भ्रमण एवं विषयों से सम्बधित प्रश्नोत्तरी का आयोजन भी किया जाता है ताकि विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं एवं साक्षात्कार में आत्मविश्वास के साथ भाग ले सके। मुख्य वक्ता डॉ. एस.कला ने व्याख्यान शीर्षक पादप जैव विविधता संरक्षण-समस्या एवं सम्भावनाओं पर विद्यार्थियों को संकटग्रस्त पादपों के बारें में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि विलुप्त होती प्रजातियों से पर्यावरण में उत्पन्न होने वाले खतरे से बचने के लिए पादप संरक्षण में हमें अपना सक्रिय योगदान देना है एवं भारत के हॉटस्पॉट के बारे में भी जानकारी दी। छात्रों को छोटे-छोटे प्रोजेक्ट लेकर अनुसंधान में आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया।

सार-समाचार

भगवान देवनारायण की जयंति मनाई

कोटा, (निसं)। श्री देवनारायण भगवान मंदिर विकास समिति द्वारा भगवान देवनारायण जी की जयंति हर्शोल्लास के साथ मनाई गई। समिति महासचिव विनोद हूडा ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री देवनारायण भगवान की जयंति के उपलक्ष्य में सुभाश विहार अनंतपुरा स्थित मंदिर प्रांगण में प्रसादी वितरण किया गया। उन्होनें बताया कि समिति की ओर से 600 किलो दूध व 100 किलों चावल से बनी खीर का सुबह 10 बजे भगवान श्री देवनारायण की पूजा कर भोग लगाकर भक्तों में प्रसादी का वितरण किया गया। प्रसादी वितरण का कार्यक्रम सुबह 12 बजे से शाम 4 बजे तक चला जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की। प्रसादी वितरण करने वालों में मंदिर समिति से अध्यक्ष नंदकिषोर खटाणा, उपाध्यक्ष देवराज मोडसर, महासचिव विनोद हूडा, सचिव कमल नामा, कोषाध्यक्ष गंगाधर चौधरी, मंदिर संरक्षक देवकरण चौहान, तेजकरण चाड़, परमानंद गुर्जर, भंवरलाल फामड़ा, बनवारी लाल गुर्जर, परमानंद महावर, राधेश्याम बंटी, रामहेत बैरवा, बद्रीलाल तंवर, लखन नागर, मुकेश बीएसएनएल, कुलदीप रायका, पन्नालाल बंजारा, रामस्वरूप, चंद्रभान पटेल, बिहारी लाल सेफवाल, विहारी लाल, जगन्नाथ नागर, ओमप्रकाश कसाना, हीरालाल कसाना, महावीर खटाणा, परमानंद खटाना, भोपा नंदकिशोर खटाणा, लोकेश शर्मा, विश्णु मीणा, रोहित गुर्जर, हेमंत शर्मा, गोविंद नागर, यर्थात, रमेश चौहान, महिलाओं में गायत्री बाई, अनूप बाई, भूरा बाई, अयोध्या बाई, द्वारका बाई, सीता बाई, शीला बाई, कांति बाई आदि उपस्थित थे।

गहलोत ने ईओ का कार्यभार संभाला

छबड़ा (निसं)। छबड़ा नगर पालिका जेईएन संदीप गहलोत ने अधिषासी अधिकारी का पदभार ग्रहण कर दिया है। सोमवार को जेईएन संदीप गहलोत ने ईओ का विधिवत् पदभार ग्रहण किया, इस दौरान गहलोत ने कहा कि जनसमस्याओ का समाधान ही उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। गहलोत 13 अगस्त 2018 से 26 जनवरी 2019 तक एवं 25 फरवरी 2020 से 6 जुलाई 2020 तक कार्यवाहक ईओ के रूप मे कार्यरत रह चुके हैं। उल्लेखनीय रहे कि गत दिनो डीएलबी निदेशक हृदेश शर्मा ने प्रषासनिक कारणो के चलते ईओ सुमेरसिंह मीणा को एपीओ कर ईओ का चार्ज संदीप गहलोत को दिया था।

शिविर में लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिला

अंता (निसं)। निकट बड़गांव में सोमवार को आयोजित मुख्यमंत्री निरोगी राजस्थान चिरंजीव स्वास्थ्य शिविर में सभी प्रकार की निःशुल्क जांचे की गई।महिला डॉक्टर, फिजीशियन, दंत रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ उपस्थित रहे ।गांव के लोगों को उन्हें परामर्श भी दिया। शिविर का शुभारंभ पंचायत समिति सदस्य मुकुट बिहारी सुमन,सरपंच हरिओम बंजारा,पूर्व पंचायत समिति सदस्य स्नेहलता खंडेलवाल, पूर्व सरपंच दौलत राम बेरवा, कांग्रेस इकाई अध्यक्ष मथुरालाल बंजारा आदि ने मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर शिविर का शुभारंभ किया। ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकार डॉ सूर्य प्रकाश गर्ग, बड़गांव पीएससी अधिकारी नीरज नागर व चिकित्सा कर्मी उपस्थित रहे। शिविर में 346 लोगों को मिला स्वास्थ्य लाभ।

400 मीटर ट्रेक बनवाने की मांग

छबड़ा (निसं)। छबड़ा में खेल प्रेमी व खिलाडियों ने पार्षद मुकेश पांचाल को ज्ञापन सौंपकर 400 मीटर ट्रेक बनवाने की मांग की। ललित रावल ने बताया कि उनके नेतृत्व में नरेंद्र मीना, नरेश सांसी, अशोक कंडारा, सुनीता कंडारा, सूरज प्रजापति आदि ने पार्शद को सौंपे ज्ञापन मे अवगत करवाया कि छबड़ा की उभरती प्रतिभाएं राज्य स्तर व नेशनल स्तर तक अपना दमखम दिखा चुकी है वही आर्मी भर्ती, पुलिस भर्ती के लिये भी रोज क खिलाड़ी अपना पसीना बहा रहे है इसके चलते हा स्कूल खेल मैदान में 400 मीटर ट्रैक बनवाने की मांग की। इस पर पार्शद ने उनकी समस्या का षीघ्र ही समाधान करने का आश्वासन दिया।

चिरंजीवी स्वास्थ्य शिविर दस को

छबड़ा (निसं)। आगामी दस फरवरी को चिकित्सा विभाग द्वारा दस फरवरी को चिरंजीवी स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. महेश भूटानी ने बताया की छबडा-सालपुरा मार्ग पर स्थित खैल मैदान में प्रात: 10 से सायं 4 बजे तक चिरंजीवी स्वास्थ्य षिविर आयोजित किया जाएगा जिसमें कोटा व बारां के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करते हुए रोगियों को उचित परामर्श दी जाएगी व जिसमे निशक्तजनों के प्रमाण-पत्र भी बनाए जायेंगे।

दीक्षांत समारोह आज

कोटा, (निसं)। कोटा विश्वविद्यालय का अष्ठम दीक्षांत समारोह 8 फरवरी मंगलवार को राज्यपाल कलराज मिश्र की अध्यक्षता में ऑनलाइन वीसी के माध्यम किया जायेगा। विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया कि दीक्षांत समारोह में वर्ष 2019 की परीक्षाओं में विभिन्न संकायों व विषयों में मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाले एवं वर्ष 2019 के पीएचडी धारकों को उपाधियां प्रदान की जायेगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का सोशल मीडिया पर सीधा प्रसारण भी किया जायेगा।

कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन आज

झालावाड़ (निसं)। राजस्थान भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पुनिया द्वारा कांग्रेसपार्टी को लेकर दिये अमर्यादित एवं आपत्तिजनक (कांग्रेस पार्टी को जूते की नोक वाले) बयान के खिलाफ जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में जिला अध्यक्ष एडवोकेट वीरेन्द्र सिंह गुर्जर के नेतृत्व में 8 फरवरी मंगलवार को दोपहर 12 बजे मिनी सचिवालय के सामने धरना देकर प्रदर्शन किया जायेगा। जिसमें जिले भर से कांग्रेसजन भाग लेगें। यह जानकारी वरिष्ठ प्रवक्ता मोहम्मद शफीक खान ने दी।

विधायक का स्वागत किया

छबड़ा (निसं)। छबड़ा के कांग्रेस नेताओं व पार्षदों ने सोमवार को मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री व राघोगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह का माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। पार्षद हस्सान खान ने बताया कि सोमवार को मध्यप्रदेश के पूर्व स्वायत्त शासन मंत्री व राघोगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह अपने निजी दौरे पर कोटा जा रहे थे इसी दौरान छबड़ा के कांग्रेस नेताओं व कांग्रेसी पार्षदों ने कस्बे के सालपुरा रोड पर स्थित होटल राइन पर उनका माला पहनाकर व साफा बांधकर ज़ोरदार स्वागत किया।

सार-समाचार

सीएमएचओ को ज्ञापन सौंपा

कोटा, (निसं)। एलएचवी एएनएम संघ ऑफ राजस्थान की ओर से पदनाम संशोधन को लेकर मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार के नाम का ज्ञापन सोमवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन राजकुमार सिंह एवं चिकित्सा मंत्री राजस्थान सरकार के नाम का ज्ञापन सोमवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ भूपेन्द्र सिंह तंवर को संघ के पदाधिकारियों द्वारा सौंपा गया। एलएचवी एएनएम संघ ऑफ राजस्थान कोटा की जिलाध्यक्ष निर्मला कितावत ने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से एलएचबी एएनएम के ग्राम विकास अधिकारी की तर्ज पर पदनाम परिवर्तन की मांग को रखी गई। उन्होंने बताया कि महिला स्वास्थ्य दर्शिका (एलएचवी) को सीनियर सर्किल हैल्थ नर्स ऑफिसर, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता (एएनएम) को पब्लिक हेल्थ नर्स ऑफिसर, न्यू पेंशन कर्मचारियों की हाई रिस्क बीमारियों में आरजीएचएस की ओपीडी एवं आईपीडी सीमा बढ़ाने की भी मांग इस ज्ञापन के माध्यम से की गई हैं। इस अवसर पर प्रदेश संरक्षक कामना सक्सेना, जिला महामंत्री संतोष गुर्जर, नफीसा बानो, रजनी सोनी, संतोष प्रतिहार सहित विभिन्न पदाधिकारियों उपस्थित रहे।

भगवान देवनारायण का जन्मोत्सव मनाया

कोटा, (निसं)। भगवान देवनारायण के 110वें जन्मोत्सव के अवसर पर हाड़ौती में जगह-जगह पर देवनारायण महोत्सव का आयोजन कोरोना गाईडलाईन के तहत किया गया। सभी देवनारायण मंदिरों पर रात्रि जागरण और खीर वितरण का आयोजन किया जा रहा है। वही मानपुरा 120 फीट रोड़ पर राजेन्द्र अतरालिया के नेतृत्व में 1 मण दूध की खीर का प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर भगवान देवनारायण की महाआरती का आयोजन किया गया। इस महाआरती में गुर्जर समाज सहित अन्य समाज के लोगो ने भी भाग लिया। इस अवसर पर समाज के लोगो द्वारा भगवान के गीतो पर देव क ले चालो म्हाने देवलामी ले चालो देवजी की मन म्हारो आवे गुर्जर जाया देव क ले चालो.., छोरिया मारी गाओ रे बजाओ रे गढ़ की गुर्जरिया अर अर गुर्जरिया गाओ री बजाओ री पर मनमोहक नृत्य किया और साथ ही 120 फीट रोड़ पर आने वाले राहगीरो को दोने मे खीर रखकर वाहन रूकवाकर खीर का प्रसाद दिया गया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद बबलू कसाणा, राजेन्द्र अतरालिया, महेश गोचर, गोपीचंद गोचर, गोबरी लाल गुर्जर, लक्ष्मण कसाणा, नरेश गुर्जर, सुमित डोई, गोविन्द गुर्जर, शक्कू गुर्जर, शिवि कुमार भड़क, मराठा गुर्जर आदि लोग उपस्थित थे।

अतिरिक्त कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

कोटा, (निसं)। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा द्वारा लोकसभा में जैन समाज को लेकर की गई आपतिजनक टिप्पणी के विरोध का प्रधानमंत्री भारत सरकार के नाम का ज्ञापन सोमवार को अतिरिक्त कलेक्टर (शहर) डॉ महेन्द्र लोढा को संघ के पदाधिकारियों द्वारा सौंपा गया। संघ के सचिव मनोज जैन चतर ने बताया कि जैन समाज विश्व में एक शाकाहारी समाज के रूप में जाना जाता हैं। टीएमसी की सांसद द्वारा सीधे तौर पर जैन समाज की भावनाओं, विचारों एवं मूल्यों को खंडित करने वाली टिप्पणी हैं। जिसका पूरा जैन समाज कठोर निंदा करता हैं। जिस पर अखिल भारतीय श्री जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक युवक महासंघ के पदाधिकारियों ने इस अंश को लोकसभा की होनी वाली रिकार्ड से हटाया जाने की ज्ञापन के माध्यम से मांग की हैं। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राकेश श्रीमाल, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राजेश चतर उपस्थित रहे।

खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित

कोटा, (निसं)। संकल्प रेल संस्थान कोटा द्वारा छठी खेलकूद इन्डोर व क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। रेल संस्थान के सचिव मनजीत सिंह बग्गा ने बताया 14 फरवरी से 17 फरवरी तक बैडमिन्टन, शतरंज, केरम, टेबल टेनिस, बालीबॉल की प्रतियोगिताए रेल संस्थान में आयोजित की जाएगी। बग्गा ने बताया कि 15 फरवरी को रेल संस्थान कोटा में महिला खेलकूद प्रतियोगिता के अन्तर्गत कुर्सी दौड़ नीबू दौड़, तीन टांग की दौड़, खो-खो आयोजित की जाएगी। बग्गा ने बताया छठवीं अन्तर रेल विभागीय क्रिकेट प्रतियोगिता 20 फरवरी से 27 फरवरी तक रेलवे स्टेडियम व रेलवे वर्कशॉप ग्राउण्ड पर आयोजित होगी। इस क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 15000 रुपये, द्वितीय पुरस्कार 7500 रुपये, मेन ऑफ द सीरिज 1500 रुपये, फीस 2000, फीस जमा कराने की अंतिम तिथि 16 फरवरी रहेगी।

आज यहां बिजली बंद रहेगी

कोटा, (निसं)। विद्युत लाइनों के रखरखाव के कारण मंगलवार को सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक रोड़ नम्बर 1 व 2, बीएसएनएल ऑफिस, सिवोना रेस्टोरेंट, कोटा दाल मिल के आसपास, शास्त्री नगर, दादाबाड़ी विस्तार योजना, गणेश तालाब, बसंत विहार, मोदी कॉलेज, उड़िया बस्ती, मेजर ध्यानचंद स्टेडियम के आसपास सुबह 10 से शाम 4 बजे तक परिजात कॉलोनी, सेक्टर 10, 11, महावीर नगर तृतीय सुबह 9 से 10.30 बजे तक वीर सावरकर नगर, लुहारिया बस्ती सेक्टर 4 व 5, रंगबाड़ी योजना, रंगबाड़ी कच्ची बस्ती, भील बस्ती, तलाव गांव दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक शहीद चंद्रशेखर आजाद कॉलोनी, सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक मॉडल टाउन, रॉयल टाउन, मनोज चौराहे के आसपास आदि विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

मेट को हटाया, ग्राम विकास अधिकारी को नोटिस

कोटा, (निसं)। जिला परिषद् की मुख्य कार्यकारी अधिकारी ममता तिवाड़ी ने सोमवार को पंचायत समिति खैराबाद स्थिति दो ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास, महात्मा गांधी नरेगा, एफएससी एवं निरोगी राजस्थान के तहत चल रहे शिविरों का निरीक्षण किया।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने ग्राम पंचायत कुकड़ाखुर्द में आयोजित निरोगी राजस्थान शिविर का निरीक्षण किया। जहां 12 बजे तक मात्र 2 लाभार्थी की उपस्थिति को देखते हुए उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्कूलों व घर-घर भेजकर लोगों को केम्प के संबंध में जानकारी देने के लिए कहा। इसके पश्चात शिविर में लाभार्थियों का आना शुरू हुआ। चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को उन्होने निर्देशित किया कि शिविर की जानकारी पूर्व में ही लोगों तक पहुंचे जिससे कि सरकार की कल्याणकारी निरोगी राजस्थान शिविरों का लाभ जरूरतमंदो तक पंहुचे। इसके पश्चात उन्होने मानपुरा में प्रधानमंत्री आवास का निरीक्षण किया। लाभार्थी बगदीबाई ने बताया कि उनका आवास पूर्ण होने की स्थिति में है। इस योजना से उन्हे पक्का मकान मिला है। जबकि पहले कच्चा मकान था। सीईओ ने संबंधित कार्मिकों को निर्देश दिए कि तीन दिवस में अंतिम किश्त का भुगतान कर दिया जावें। मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत मानपुरा में चल रहे तलाई गहरीकरण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान मौके पर निर्धारित टॉस्क के अनुरूप कार्यस्थल पर कार्य नजर नहीं आया। इसे गंभीरता से लेते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने मेट भवानी शंकर को हटाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त जॉबकार्ड भी दुरूस्त नहीं पाये गये व नरेगा कार्मिकों को टॉस्क के बारे में जानकारी भी नहीं थी।

■ सीईओ ने कार्यों के निरीक्षण किये

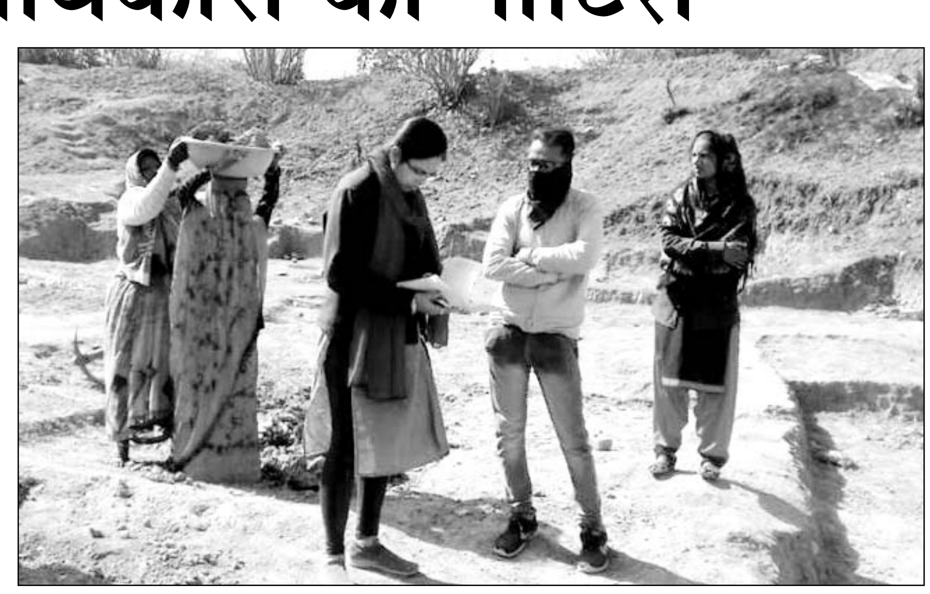
कोटा जिला परिषद की सीईओ ममता तिवारी के द्वारा निरीक्षण किया गया है।

इसके चलते ग्राम रोजगार सहायक एवं ग्राम विकास अधिकारी को 17 सीसीए का नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कुकडाखुर्द ग्राम पंचायत में 15वें वित्त आयोग द्वारा स्वीकृत शौचालय निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया तथा शेष बचे हुए कार्यो को शीघ्र पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। ग्राम पंचायत सहरावदा में मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा तलाई, प्रधानमंत्री आवास का निरीक्षण किया। अधिकारियों को कार्यो का निरन्तर निरीक्षण करने की हिदायत दी। तलाई कार्य के निरीक्षण के दौरान टास्क पूरी मिली। सीईओ ने बताया कि सभी कार्यस्थलों पर नरेगा श्रमिकों की उपस्थिति मोबाईल एप के माध्यम से लगाया जाना पाया गया। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता हितेन्द्र मेहरा व संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

उपखण्ड अधिकारी ने अस्पताल का निरीक्षण किया

रामगंजमंडी, (निसं)। उपखंड अधिकारी राजेश डागा ने सोमवार को रामगंजमंडी सरकारी अस्पताल का पांच दिन बाद पुनः औचक निरीक्षण किया। पांच दिन पहले एसडीएम ने अस्पताल लाकर समाजसेवियों की पहल पर 40 गमले लगाए थे और समाजसेवी व युवादल के राजकुमार पारख के नेतृत्व में युवादल को अपनी पहल पर अस्पताल का सेवा कार्य सौंपा था।

जिसके तहत पिछले 5 दिनों में हुए बेहतर कार्य को देखने के लिए डागा अचानक शाम 4 बजे सरकारी अस्पताल पहुंचे इस दौरान उनको सारी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद मिली डॉक्टर व नर्सिंग स्टॉफ मौके पर तैनात मिला तथा साफ सफाई के साथ अस्पताल में रंग रोगन करवाया भी जा चुका है और दिन में तीन बार सफाई हो रही है।

आमूलचूल परिवर्तन वाली सुचारू व्यवस्थाओं को देखकर एसडीएम गदगद हो गए और उन्होंने युवादल की तारीफ की व कहा कि जहां पहले सरकारी व्यवस्था के आधार पर सफाई होती थी वहीं आज निजी अस्पताल की फिलिंग होने जा रही है। डागा ने अंदर के पार्क को विकसित करने के लिए भी निर्देश दिए और जो जो सुधार हो सकते हैं उसके सम्बन्ध में सबसे चर्चा की। डागा ने बताया कि जल्द ही एक ऐसा कार्यक्रम किया जावेगा जिसमें रामगंजमंडी की जनता भाग लें और हम कामों को प्राथमिकता की दृष्टि से तैयार करवा रहे हैं कि कौन कौन से काम जरूरी हैं जिनको कि समाजसेवियों के माध्यम से सही किया जा सकता है।

पर्यावरण विभाग की धांधली को लेकर राजस्थान प्रदूषण मंडल कार्यालय पर प्रदर्शन

कोटा, (निसं)। कोटा व्यापार महासंघ के महासचिव अशोक माहेश्वरी दी एस एस आई एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष गोविंदराम मित्तल एवं अध्यक्ष जम्बु कुमार जैन के नेतृत्व में सैकड़ों व्यापारियों उद्यमियों ने राजस्थान प्रदूषण विभाग कार्यालय पर जाकर जोरदार प्रदर्शन एवं नारेबाजी की।

कोटा व्यापार महासंघ के महासचिव अशोक माहेश्वरी, दी एस एस आई एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष गोविंदराम मित्तल अध्यक्ष जम्बु कुमार जैन सचिव मनीष माहेश्वरी ने बताया कि पिछले करीब 2 वर्षों से प्रदूषण विभाग के अधिकारियों द्वारा एनओसी॰के नाम पर व्यापारियों उद्यमियों से उनके प्रतिष्ठानो उद्योगो पर जाकर बदसलूकी की जा रही है और विभाग में करीब 150 एनओसी॰की फाइलें पिछले 2 साल से लंबित पड़ी हुई है जिन्हें कई तरह की औपचारिकताएं पूरी करने के बावजूद भी उनमें खामियां निकाल कर उन फाइलों को अटका दिया जाता है और एनओसी॰नहीं दी जाती है जबकि बैंकों द्वारा ऋण देने सहित अन्य कई मामलों में पर्यावरण विभाग की एनओसी मांगी जाती है जिसके बिना व्यापारी उद्यमी अपना उद्योग एवं व्यवसाय संचालित नही कर पा रहा है न हीं बैंकों से उसको ऋण दिया जा रहा है ऐसी कई व्यापारियों उद्यमियों ने शिकायतें कि है पर्यावरण विभाग के अधिकारी बिना वजह व्यापारियों उद्यामियो को चक्कर कटवा रहे हैं सभी औपचारिकताऐं पूरी करने के बावजूद भी व्यापारियों उद्यमियों को नोटिस दिए जा रहे हैं ऐसा ही वाक्या सूद इंटरप्राइजेज के साथ हुआ जिन्होंने 29 जनवरी 2022 को विभाग की सभी औपचारिकताएं पूरी करके पैसा जमा करवा दिया उसके बावजूद भी 31 जनवरी 2022 को विभाग द्वारा शो केस नोटिस जारी कर कार्रवाई करने की धमकी दी गई। जिसके पीछे विभाग की क्या मंशा है यह समझ से परे है साथ ही जब व्यापारियों उद्यमियों द्वारा अपना पक्ष रखा जाता है तो वहां के अधिकारियों द्वारा उद्यमियों व्यापारियों के साथ बदसलूकी बदतमीजी भी की जाती है ऐसे कई वाक्य सामने आए।

कोटा व्यापार महासंघ के द्वारा ज्ञापन सौंपकर आपत्ति जताई गई।

उसको लेकर कोटा व्यापार महासंघ के महासचिव अशोक माहेश्वरी एवं दी एस.एस.आई एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष गोविंद राम मित्तल अध्यक्ष जम्बु कुमार जैन ने प्रदूषण के विभाग ने क्षेत्रीय प्रबंधक को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी विभाग के अधिकारियों द्वारा इस तरह का बर्ताव व्यापारियों उद्यमियों के साथ किया गया तो हम इसे कतई सहन नहीं करेंगे। अब की बार इस तरह के बर्ताव की सूचना मिलती है तो हम कोटा बंद जैसा कदम भी उठा सकते हैं, क्योंकि व्यापारी उद्यमी पिछले ढाई वर्षो से कोरोना के चलते बुरी तरह परेशान है विभागों को सहयोग करने की जगह इस तरह का तानाशाही रवैया अपनाकर व्यापार उद्योग जगत को परेशान किया जा रहा है वह असहनीय है उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि अधिकारियों को पाबंद करें एवं व्यापारियों उद्यमियों के साथ सहयोगात्मक रुख अपना कर कार्य करें साथ ही फायर एवं प्रदूषण की एनओसी॰के नाम पर जितनी औपचारिकताएं पूरी करने की बात कही जाती है उसको पूरा करने में व्यापारी एवं उद्यमियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मोबाइल ओपीडी के शिविरों में 390 मरीज लाभान्वित हुए

कोटा, (निसं)। चिकित्सा विभाग की ओर से जिले में संचालित मोबाइल ओपीडी युनिट वाहनों से सोमवार को चार गांवों में शिविर लगाए गए।

ग्राम बालापुरा, किशोरपुरा, गेंता और कूकडाखुर्द में सामान्य बीमारियों से ग्रसित 390 मरीजों को निःशुल्क परामर्श दिया साथ ही दवाईयां बांटी। इसमें कफ-खांसी के 99 और बुखार के 29 मरीज भी शामिल रहे। शिविरों में 9 गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच और 4 की पीएनसी जांच भी की गई। 5 लोगों के कोविड जांच के सैम्पल लिए गए।

खोया पाया

चरणदास चोपडा s/o मंगल दास चोपडा h.n. 3-Q-44 तलवंडी कोटा का मूल अदेय प्रमाण पत्र हसानंद भाटिया के नाम गुम हो गया है।

आम सूचना

मेरे पक्षकार अडानी हाउसिंग फाईनेन्स प्राईवेट लिमिटेड की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती पिंकी जंगम पत्नी गिर्राज जंगम निवासी अर्डान्द तहसील अटरु जिला बारां द्वारा मकान नम्बर 06 सब्जीमंडी रोड राजपुरा वार्ड तहसील व जिला बारां को खरीदने का इकरार नरेन्द्र सोनी से दिनांक 24.12.2021 को किया है जिसे खरीदने के लिए श्रीमती पिंकी जंगम द्वारा मेरे पक्षकार के यहां से ऋण लिया जा रहा है। उक्त सम्पत्ति शिवनारायण पुत्र धूलीलाल निवासी बारां की थी जो पंजीकृत वसीयत नामा दिनांक 21.09.2010 के द्वारा नरेन्द्र सोनी पुत्र विश्वनाथ सोनी को प्राप्त हुई है। उक्त इकरार बेचान बाबत किसी भी व्यक्ति, बैंक या संस्था या अन्य किसी को भी किसी भी प्रकार की आपत्ति या आक्षेप हो तो निम्न अधोहस्ताक्षरकर्ता को अंदर मियाद 07 दिवस में मय दस्तावेजी साक्ष्य सहित सम्पर्क करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति विधि अनुसार शून्य मानी जायेगी।

भवदीय
राजेन्द्र सिंह एडवोकेट
386 माला रोड कोटा जं.

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2022/2473 विज्ञप्ति दिनांक:-6.2.2022

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम रंगबाड़ी में स्थित कृषि भूमि योजना कृष्णा नगर खसरा नं. 83, 80 में स्थित भूखंड संख्या 33 आवेदक श्रीमती अमिता मित्तल पत्नी श्री कमल मित्तल निवासी मातृ छाया नगर निगम कालोनी छावनी कोटा राज. द्वारा पट्टा जारी करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अत: अमिता मित्तल पत्नी श्री कमल मित्तल के पक्ष में पट्टा जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

छप्पर में आग लगने से 20 बकरियां जिंदा जली

दो भैंस एवं एक गाय गंभीर घायल

तारानगर, (निसं)।तारानगर के जिगसाना गांव के खेत में बने छपरे में सोमवार को लगभग दोपहर 12 बजे आकस्मिक आग लगने से जिंदा 20 बकरियां जलकर मर गयी तथा दो भैंस व एक गाय जलने से गंभीर घायल हो गयी। सूचना पाकर हैड कांस्टेबल मय जाब्ते के घटनास्थल पर पहुंचे तथा फायर ब्रिगेड की सहायता से आग पर काबू पाया लेकिन जब तक बकरियां जलकर मर चुकी थी।

पुलिस ने ग्रामीणों की सहायता से भैंस व गाय को मरने से बचा लिया। पास में बने झौपड़े में रखा पशु चारा भी जलकर राख हो गया। हैड कांस्टेबल धर्मेंद्र मीणा द्वारा उक्त घटना की जांच की जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार जिगसाना ताल निवासी मनीराम पुत्र चतरुराम अपने खेत में ढ़ाणी बनाकर रहता है।

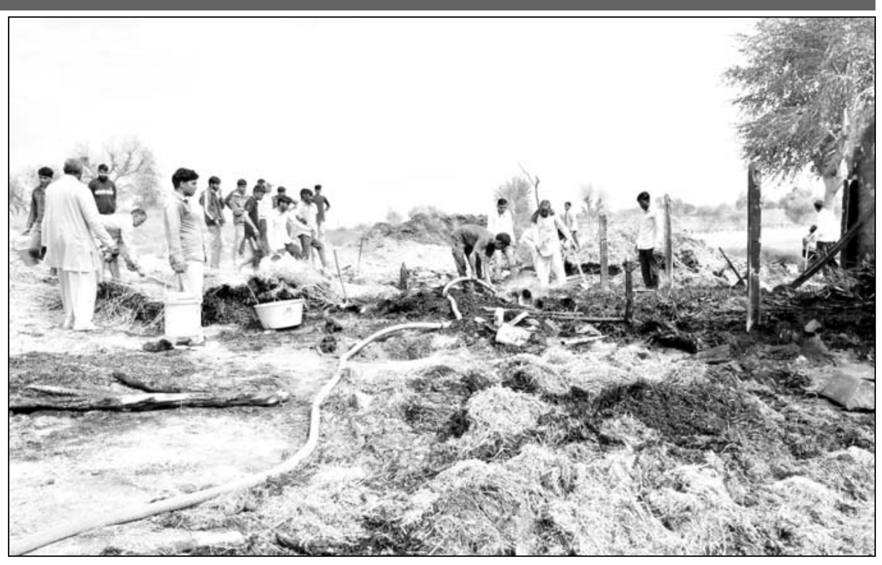
तारानगर के जिगसाना गांव के खेत में बने छप्पर में लगी आग को बुझाते लोग।

सोमवार दोपहर 12 बजे मनीराम अपने खेत की बाड़ सही कर रहा था तथा मनीराम की पत्नी व पुत्री घर में काम कर रही थी। खेत में पशुओं के लिए छपरा बनाया हुआ था जिसमें गाय, भैंस ब बकरियां बंधी हुई थी। अचानक छपरे में आग लग गयी जिससे छपरे में बंधी बकरियां जलने से मर गयी तथा एक भैंस व एक भैंस का बच्चा तथा एक गाय जलने से घायल हो गयी। छपरे के पास ही पशु चारे के लिए झौपड़ा बनाया हुआ था जिसमें पशुचारा भी जलकर राख हो गया। आग की लपटें देख आसपास के पड़ौसी घटनास्थल पर पहुंचे तथा थाने में सूचना दी। फायर ब्रिगेड व ग्रामीणों की सहायता से आग पर काबू पाया गया।

- अग्निशमन यंत्र से आग पर काबू पाया

6 लाख रुपये की अफीम व डोडा-पोस्त पकड़ा, तस्कर गिरफ्तार

नागौर, (निसं)। नागौर जिले के श्रीबालाजी थाना क्षेत्र के अलाय गांव में बने एक मकान में पुलिस ने दबिश देकर 2 किलो 600 ग्राम अफीम और 18 किलो डोडा-पोस्त जब्त किया है। मौके से आरोपी तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। नागौर सी ओ विनोद कुमार सीपा ने बताया कि श्रीबालाजी पुलिस को सूचना मिली थी कि अलाय गांव में रेलवे स्टेशन जाने वाली रोड पर स्थित कैलाश पुत्र नारायणराम जाट के खेत में बने मकान में अवैध मादक पदार्थ रखा हुआ है। इस पर श्रीबालाजी थाना पुलिस व डी एस टी टीम ने सयुक्त ऑपरेशन चला कैलाश जाट के मकान पर दबिश दी।

- खेत में बने मकान पर दबिश देकर कार्रवाई की

तलाशी में मौके से 2 किलो 600 ग्राम अफीम और 18 किलों डोडा-पोस्त जब्त कर आरोपी कैलाश जाट को भी गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अफीम और डोडा पोस्त की बाजार करीब कीमत करीब 6 लाख रुपए है। प्रदेश में अफीम और डोडा पोस्त की बिक्री प्रतिबंधित है। लेकिन चोरी-छिपे अफीम और डोडा-पोस्त की तस्करी होती है। बाजार में 5 से 7 हजार रुपए किलो के भाव में डोडा-पोस्त बिक रहा है। नागौर जिले में बड़ी संख्या में विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र में डोडा-पोस्त का सेवन किया जाता है।

तीन हथियार तस्कर गिरफ्तार, अवैध हथियार बरामद

आरोपियों से हथियारों की खरीद फरोख्त के बारे में पूछताछ की

कंचनपुर थाना पुलिस की गिरफ्त में हथियार तस्कर।

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर जिले की कंचनपुर थाना पुलिस ने थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में ऑपरेशन प्रहार के अन्तर्गत अवैध हथियारों के विरूद्ध बड़ी कार्यवाही की है। जिसमें पुलिस ने 3 हथियार तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार और कारतूस जब्त किए गए हैं।

थाना प्रभारी देवेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि धौलपुर एसपी शिवराज मीणा के निर्देशन में और मेरे नेतृत्व में हैड कांस्टेबल होतम सिंह व कांस्टेबल धर्मवीर की सूचना पर जलेखार के जंगल ग्राम सिगौरई व टौटरी के बीहडों के मध्य एनीकट के पास कार्यवाही की। जिसमें आरोपी प्रशांत मीणा पुत्र मलखान उम्र 20 साल निवासी हांसई थाना कंचनपुर जिला धौलपुर के कब्जे से 1 पिस्टल हैण्डमेड 32 बोर मय 1 जिन्दा कारतूस 32 बोर, 1 अवैध देशी कटटा 315 बोर मय 3 जिन्दा कारतूस जप्त किये गए। आरोपी श्यामवीर सिंह पुत्र सोहन सिंह मीना उम्र 26 साल निवासी कुमर पुरा मजरा कंजरपुरा थाना सरमथुरा धौलपुर के कब्जे से 1 पिस्टल हैण्डमेड 32 बोर मय 1 जिन्दा कारतूस जब्त किया। वहीं आरोपी राजेश उर्फ श्यामलाल पुत्र रामनिवास उर्फ रामभजन मीना उम्र 25 साल निवासी उमरेह थाना बाड़ी के कब्जे से 1 अवैध देशी कट्टा 315 बोर मय 3 जिन्दा कारतूस के जब्त किया गया है ।

पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से अवैध हथियार व कारतूस जब्त कर लिए हैं। वहीं तीनों आरोपियों से अवैध हथियारों की खरीद फरोख्त के बारे में पूछताछ की गई। जिसमें आरोपियों ने बताया कि हम इन हथियारों को भगवानदास पुत्र बाबूलाल मीना निवासी सुनीपुर से पैसा देकर खरीद कर लाते है।

प्रदेश के पांचों कृषि विश्वविद्यालयों के पदाधिकारियों की बैठक

जयपुर, (कासं)। अखिल राजस्थान अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ी जाति अधिकारी कर्मचारी संयुक्त महासंघ द्वारा प्रदेश स्तर पर संगठन को मजबूत करने और संविधान प्रदत्त आरक्षण नियमों की पूर्णतया अनुपालना करवाने के लिए सोमवार को अजमेर कृषि अनुसंधान केंद्र अजमेर में राज्य के पांचों कृषि विश्वविद्यालयों के पदाधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक की अध्यक्षता महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत मीना ने की। इस दौरान मीणा ने महासंघ के श्रीगंगानगर जिलाध्यक्ष पद पर कृषि अनुसंधान केन्द्र श्रीगंगानगर में सहायक आचार्य रूपसिंह मीणा को मनोनीत किया है। इस दौरान दोनों अध्यक्षों को 15 दिन में विभागीय व जिला कार्यकारिणी का गठन करने के निर्देश दिए गए। प्रदेशाध्यक्ष ने बताया कि महासंघ द्वारा फरवरी-मार्च 2022 में राज्य के बीकानेर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा और जोबनेर स्थित कृषि विश्वविद्यालयों में बैठकों का आयोजन कर पदोन्नति, बैकलॉग और अन्य आरक्षण मुद्दों का समाधान करवाया जावेगा।

- बैठक की अध्यक्षता हेमंत मीना ने की

सड़क हादसे में युवक की मौत

उदयपुर, (कासं.)। शहर के सविना थाना क्षेत्र में कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई। अन्यत्र कुराबड़ थाना क्षेत्र में ह्दयाघात से युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सविना थाना क्षेत्र हल्दुघाटी रोड़ पर रविवार सांय कार ने बाइक को टक्कर मार दी।हादसे में घायल बाइक चालक केवड़ा खुर्द जावरमाइन्स निवासी शंकर पुत्र रूपाजी मीणा को एम्बूलेंस से उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शंकर मजदूरी करता था एवं घटना वाले दिन बाईक पर उदयपुर से गांव लौट रहा था।जहां बीच रास्ते सामने से आ रही कार ने उसे चपेट में ले लिया था। सूचना मिलने पर हेडकासंस्टेबल नवीन ने मौके पर पहुंच कर मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

घर में बने पानी के टैंक में डूबने से महिला की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद थाना क्षेत्र के मरेवड़ा गांव में सोमवार अल सुबह एक महिला की घर में ही बने टैंक में डूबने से मौत हो गई। परिजनों को करीब दो घंटे बाद घटना का पता चला। इससे पहले परिजन महिला को गांव में ही इधर-उधर तलाश करते रहे। इस घटना से गांव में शोक छा गया।

आसींद थाना पुलिस ने बताया कि मरेवड़ा निवासी मीठालाल शर्मा, पत्नी कंकू के साथ अभी भीलवाड़ा में रह रहे थे। यह परिवार माईसाता के अवसर पर अन्य ग्रामीणों के साथ ही एक दिन पहले पैतृक गांव मरेवड़ा लौटा था। सोमवार सुबह कंकू करीब साढ़े पांच बजे नींद से उठी। इसके बाद वह घर में ही बने पानी के टैंक से पानी निकाल रही थी, तभी असंतुलित होकर टैंक में जा गिरी। इसकी भनक परिवार के सदस्यों को नहीं लग पाई। इसके बाद परिवार के अन्य लोग भी नींद से उठे, जिन्हें कंकू नजर नहीं आई। वे, कंकू को आस-पास ढ़ूंढ ने लगे, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। बाद में कंकू की टैंक में तलाश की तो उसका शव तैरता मिला। यह देखकर परिजनों की चीत्कार फूट पड़ी।

परिजनों की चीख-पुकार मचने से वहां ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। कंकू की मौत को लेकर गांव में शोक छा गया। 45 वर्षीया कंकू तीन बेटे-बेटियों की मां थी। उधर, हादसे की सूचना मिलने पर आसींद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। बाद में शव का आसींद अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

नगर परिषद के कनिष्ठ अभियंता की वेतन वृद्धि रोकने के आदेश

हिण्डौन सिटी, (निसं)। नगर परिषद के कनिष्ठ अभियंता के खिलाफ प्राप्त शिकायत पर कार्रवाई करते हुए स्वायत शासन विभाग के क्षेत्रीय उपनिदेशक ने 2 वेतन वृद्धि रोकने के आदेश जारी कर दिए हैं।

स्वायत शासन विभाग के क्षेत्रीय उपनिदेशक गुंजन सोनी की ओर से जारी आदेश के अनुसार रामकिशोर मीना कनिष्ठ अभियंता नगर परिषद् हिण्डौन सिटी द्वारा प्रस्तुत जबाव में कोई ठोस कारण नहीं बताया गया है तथा आयुक्त नगर परिषद् हिन्डौनसिटी द्वारा दिये गये नोटिसों जबाव में भी कोई संतुष्टीपूर्ण ठोस जबाव प्रस्तुत नहीं किया गया है। इस कार्यालय से जारी आरोप पत्र का जबाव भी समय सीमा में नहीं दिया गया है।

- कनिष्ठ अभियंता के खिलाफ प्राप्त शिकायत पर कार्रवाई करते हुए आदेश जारी

आरोपित को व्यक्तिगत सुनवाई का मौका देकर सुना भी गया रामकिशोर मीना द्वारा आयुक्त नगर परिषद् हिण्डौन सिटी को उनके नोटिस के प्रत्युत्तर में यह लिखा है कि उसको अर्नगल दिये गये आदेशक को निरस्त फरमायें। यह साबित करता है कि आरोपित कर्मचारी न केवल अपने उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवेहलना करता है बल्कि उनके आदेशों को अर्नगल बताने की धृष्टता भी करता है। इस प्रकार आरोपित अधिकारी के विरूद्ध आरोप सिद्ध होते है।

अतः राजस्थान सिविल सेवा वर्गीकरण, नियन्त्रण और अपील नियम 1958 के नियम 17 के तहत आरोपित रामकिशोर मीना कनिष्ठ अभियंता नगर परिषद् हिन्डौन सिटी की दो वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोके जाने के दण्ड से दण्डित किया जाता है। दण्ड का उल्लेख आरोपी के सेवा अभिलेख में इन्द्राज किया जाये।

लोकसभाध्यक्ष बिड़ला की ओर से ख्वाजा की मजार पर चादर पेश

अजमेर, (कासं)। सूफी संत ख्वाजा मोइनुदीन हसन चिश्ती के 810वें सालाना उर्स के मौके पर सोमवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिडला सहित पाकिस्तान हुकुमत की ओर से ख्वाजा साहब की मजार पर चादर पेश की गई। लोकसभा स्पीकर की ओर से भेजी गई चादर उनके प्रतिनिधि दरगाह लेकर पहुंचे तो पाकिस्तान की ओर से भेजी गई चादर पाकिस्तान एम्बेसी के अधिकारियों द्वारा पेश की गई। वहीं दरगाह का अंदरूनी प्रबंध संभालने वाली कमेटी के दल ने कायड विश्रामस्थली की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

लोक सभा अध्यक्ष बिडला की ओर से चादर पेश करने जाते उनके प्रतिनिधि।

सुंल्ताने हिंद गरीब नवाज के उर्स की धूम न सिर्फ देश में बल्कि सात समुंदर पार भी दिखाई दे रही है। इसके चलते उर्स के मौके पर ख्वाजा साहब की मजार पर चादरे पेश करने का सिलसिला जारी है। इसी कडी में सोमवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिडला की ओर से उनके प्रतिनिधि ने ख्वाजा गरीब नवाज की मजार पर मखमली चादर और अकीदत के फूल पेश कर खुशहाली की दुआ मांगी। वहीं सोमवार को पाकिस्तान हुकुमत, वहां की अवाम और पाक दुतावास की ओर से ख्वाजा साहब की मजार पर चादर पेश की गई। यह चादर पाक एम्बेसी दल लेकर यहां पहुंचा। इस मौके पर पाक एम्बेसी आयुक्त आफताब हसन खान ने मीडिया को बताया कि ख्वाजा साहब के आठ सौ दसवें उर्स के मौके पर पाकिस्तान से करीब पांच सौ से ज्यादा जायरीन ने उर्स में शामिल होने के लिए आवेदन दाखिल किए थे, उन जायरीन को वीजा भी जारी कर दिया गया था। लेकिन कोरोना बीमारी को मद्देनजर रखते हुए पाक जायरीन इस बार उर्स के मौके पर शरीक नहीं हो सके। हर पाक नागरिक एक बार तो ख्वाजा साहब की चैखट पर हाजिरी देकर अपने जायज मकसद की दुआ मांगने की तमन्ना रखता है।

दरगाह कमेटी ने लोकसभा स्पीकर बिडला की चादर लाने वाले दल के साथ पाक एम्बेसी के नुमाइन्दों की दस्तारबंदी कर दरगाह का तबर्रूक दिया। वहीं दूसरी ओर दरगाह कमेटी ने कायड विश्रामस्थली की व्यवस्थाओं का जायजा लेकर कहा कि पहले के मुकाबले इस उर्स में जायरीन की खासी तादाद है और इसको मददेनजर रखते हुए कमेटी की ओर से पुख्ता व्यवस्था का दावा भी किया।

छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री की चादर पेश:- सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के 810वें उर्स के अवसर पर सोमवार को छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री रविंद्र चौबे की ओर से ख्वाजा साहब की बारगाह में चादर एवं अकीदत के फूल पेश कर देश एवं छत्तीसगढ़ अमन चैन शांति की दुआ मांगी। छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री की चादर छत्तीसगढ़ से आए अधिकारी रूफ कुरैशी एवं पार्षद नरेंद्र तुनवाल ने पेश की। जियारत खादिम सैयद सोहेल अहमद ने करवाई।

किशोरी ने की आत्महत्या

उदयपुर, (कासं.)। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में किशोरी ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। अन्यत्र विषाक्त सेवन करने से महिला की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार कल्याणपुर निवासीडिगाई फला गुमानपुरा निवासी जीवली (16) पुत्री विनोद मीणा ने गांव में आम के पेड़ पर रविवार सांय फांसी लगा आत्महत्या कर ली। पुत्री के लापता होने पर तलाशमें निकले परिजनों को वह फंदे पर लटकी मिली।

सूचना मिलने पर थानाधिकारी सुरेन्द्रसिंह ने मौके पर पहुंच कर मृतका को निचे उतार पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया। इसी तरह कल्याणपुर थाना क्षेत्र उपली कटेव गांव निवासी धापु (32) पत्नी प्रभू ने रविवार को विषाक्त वस्तु का सेवन कर लिया। जिसकी तबीयत खराब होने पर परिजनों ने उसे उपचार के लिए डूंगरपुर चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां उसकी मौत हो गई।

36 लाख रुपए की चोरी की बीड़ी खरीदने वाले गिरफ्तार

नागौर, (निसं)। नागौर शहर स्थित देसाई ब्रदर्स लिमिटेड के गोदाम में दो महीने पहले पहले की गई करीब 36 लाख रुपए की बीड़ी चोरी मामले में पुलिस ने चोरी का माल खरीदने वाले तीन आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस ने इस मामले में बीड़ी-सिगरेट की चोरियां करवाने वाले एक शातिर सहित पिकअप ड्राइवर को भी गिरफ्तार किया था। कोतवाली थानाधिकारी बृजेन्द्र सिंह ने बताया कि शहर स्थित देसाई ब्रदर्स लिमिटेड के गोदाम में बीड़ी की कुल 181 बोरियां चोरी हो गई थी।

ऐसा पहली बार हुआ था जब एक साथ इतनी बड़ी मात्रा में बीड़ी की चोरी हुई। सभी बीड़ी देसाई ब्रांड की अलग-अलग वेरायटी वाली थी। चोर लोडिंग पिकअप में डालकर सारी बोरियां ले गए थे। इस मामले में पहले बिहारीलाल कुमावत निवासी फुलेरा व ड्राइवर मिंटू गुर्जर निवासी बामनवास को गिरफ्तार किया गया था। उनसे हुई पूछताछ के बाद रामकुमार उर्फ रामसिंह पुत्र छगनलाल कुमावत (42) निवासी फुलेरा, प्रवीण कुमार उर्फ अप्पू पुत्र केशरलाल कुमावत निवासी पलाड़ा प्याऊ, चैनाराम पुत्र बाघनाथ (48) निवासी बुटीनाथपुरा को गिरफ्तार किया गया है। ये तीनों आरोपी चोरी का माल खरीदते थे और फिर उसे बाज़ार में बेच देते थे। पुलिस कार्रवाई में लाखों रुपये के चोरी के माल की बरामदगी की भी जानकारी मिली है।

- देसाई ब्रदर्स लिमिटेड के गोदाम में बीड़ी की कुल 181 बोरियां चोरी हो गई थी

लार्वा मिलने पर दो मकान मालिकों को नोटिस

कोटा, (निसं)। मौसमी बीमारियों के साथ ही कोरोना की रोकथाम के लिए जिले में चल रहे डोर टू डोर सर्वे अभियान के तहत सोमवार को चिकित्सा विभाग की 751 टीमों ने 17169 घरों का सर्वे किया। इस दौरान लार्वा मिलने पर 2 मकान मालिकों को नोटिस दिए गए।

सीएमएचओ डॉ भूपेन्द्र सिंह तंवर ने बताया कि टीमों ने घरों में 25894 पानी के जल पात्रों जैसे पानी की टंकियां, कूलर, ड्रम, परिण्डे, गमले, फ्रीज की ट्रे और छतों पर रखे पानी जमा होने वाले टायर, कबाड़ आदि की जांच की गई तो 39 जल पात्रों/कंटेनरों में लार्वा मिला जिन्हें उपचारित किया। टीमों ने 913 कंटेनरों को खाली कराया, 499 में टेमीफास की दवा डाली तथा 992 स्थानों पर एमएलओ डाला गया। इसके अलावा 254 कमरों में मच्छर रोधी पायरेथ्रम स्प्रे का छिड़काव भी किया। सर्वे में आईएलआई या कोरोना जैसे लक्षण वाले 283 व्यक्ति भी मिले जिन्हे दवाई किट दिए गए। वहीं, हाई रिस्क ग्रुप के 29 लोगों को अस्पताल जाकर दिखाने की सलाह दी गई। इस दौरान लोगों को बीमारियों से बचाव रोकथाम संबधी जागरूकता के पम्पलेट भी बांटे व पोस्टर, स्टीकर चस्पा किए गए।

ट्रेलर की टक्कर से मेडिकल व्यापारी की मौत

भरतपुर/भुसावर, (निसं)। थाना भुसावर के नेशनल हाईवे संख्या 21 जयपुर भरतपुर पर स्थित गांव छोकरवा के तिराहे पर एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। जहां सड़क पार कर रहे मेडिकल व्यापारी की तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। जिसकी सूचना पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम कार्रवाई के लिए अपने कब्जे में लेकर मोर्चरी पर रखवा दिया। जहां से परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कार्यवाही के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

घटना के बाद गांव में पूरी तरह गमगीन माहौल हो गया। गांव छोकरवाड़ा निवासी मेडिकल व्यापारी 65 वर्षीय कन्हैया पुत्र सूरज बंसल सड़क पार कर रहा था तभी भरतपुर की ओर से तेज रफ्तार में आए ट्रेलर ने उन्हें चपेट में ले लिया और उनके ऊपर से होकर गुजर गया, जिससे मेडिकल व्यापारी की मौके पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गई जिसे देख उपस्थित लोगों की रूह कांप उठी। घटना के बाद जुटी भीड़ ने सड़क के दोनों ओर ब्रेकर या गति अवरोधक लगवाने की मांग करते हुए जाम लगा दिया जिसकी सूचना मिलते ही भुसावर सीओ निहाल सिंह एवं उपखंड अधिकारी जोगेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे और लोगों से समझाइश का प्रयास किया। वहीं जयपुर जा रहे नदबई विधायक जोगेंद्र अवाना ने रुक कर मामले की जानकारी लेते हुए समझाइश कर जाम खुलवाया और मृतक के शव को अग्रिम कार्यवाही के लिए मोर्चरी पर रखवा दिया। जहां पुलिस ने परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कार्यवाही करते हुए शव परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद जैसे ही गॉव में मृतक का शव पहुंचा तो लोग अपने आंसू नहीं रोक पाये और पूरी तरह माहौल गमगीन हो गया। ज्ञात है कि गुरूवार की देर शाम को भी एक ट्रेलर चालक ने 14 वर्षीय बालक को कुचलकर काल का ग्रास बनाया था।

- भीड़ ने सड़क के दोनों ओर ब्रेकर लगवाने की मांग कर जाम लगाया
- नदबई विधायक जोगेंद्र अवाना ने समझाइश कर जाम खुलवाया

दुष्कर्म का प्रयास करने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं.)। महिला के साथ छेड़छाड़ कर उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास करने के मामले में फरार हिस्ट्रीशिटर को गिरफतार किया। प्रकरण के अनुसार पीड़िता ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 5 फरवरी 2022 सांय पैदल डिंगरी से झाड़ोल जा रही थी। इस दौरान बाइक सवार व्यक्ति ने मेरे साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। चिल्लाने पर ग्रामीणों के आने पर आरोपी बाइक लेकर फरार हो गया।

इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण मुकेश कुमार सांखला, पुलिस उप अधीक्षक सराड़ा राजेन्द्रसिंह जैन के सुपरविजन में सराड़ा थानाधिकारी अनिल कुमार विश्नोई के नेतृत्व में हेडकांस्टेबल प्रतापसिंह, देवेन्द्रसिंह, कांस्टेबल रणजीत कुमार, महेन्द्रसिंह, सन्तोषदास, शौभाराम मय टीम ने पहाड़ी फला निचला सराड़ा निवासी राजु उर्पु राजेन्द्र पुत्र कन्हैयालाल को डिंगरी के खेतों से गिरफ्तार किया। आरोपी सराड़ा पुलिस थाने का हिस्ट्रीशिटर होकर उसके खिलाफ आठ अपराधिक मामले दर्ज है।

पुलिस ने अवैध खनन के पत्थरों से लदे तीन वाहन जब्त किये

खनन सामग्री से संबंधित दस्तावेज नहीं दिखाने पर की कार्रवाई

बयाना, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक की सख्त हिदायत के बाद कोतवाली पुलिस ने बीती रात्रि को खनन माफियाओं व दलालों के विरूद्ध अभियान चलाकर अवैध खनन के इमारती पत्थर से ओवरलोड भरे एक ट्रक व दो ट्रैक्टर ट्रॉलीयों को पकड़ा। पुलिस के अनुसार लाखों रूपए के इमारती पत्थर से ओवरलोड भरे इन वाहनों को उनमें भरी खनन सामग्री से संबंधित दस्तावेज नहीं दिखाए जाने पर अवैध खनन सामग्री के संदेह में जब्त किया गया है।

पुलिस को मौके पर वाहनों के दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं कराए जा सके बताए। यह अभियान पुलिस उपाधीक्षक अजय शर्मा की देखरेख में चलाया गया। पुलिस ने तीनों वाहनों को एमबी एक्ट के तहत जब्त किया है और बताया है कि खनन सामग्री को लेकर खनिज विभाग व ओवरलोडिंग को लेकर परिवहन विभाग को आवश्यक कार्रवाही के लिए सूचना दी गई है।

पुलिस के ओर से पकड़ा गया पत्थरों से भरा ट्रक।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के नाम उनके प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया पर हमले का विरोध व रीट पेपर लीक मामले में सीबीआई जांच की मांग

- **हमारे प्रदेश अध्यक्ष पर कायराना हमला किया गया, ऐसे कायराना हमलों से भाजपा डरने वाली नही, सड़क से लेकर सदन तक और मुखरता से लड़ाई लड़ेंगे : राजेन्द्र राठौड़**
- **रीट लेवल-2 परीक्षा को रदद् करने से प्रभावित युवाओं से पुनः परीक्षा शुल्क, आवागमन शुल्क नहीं लिया जाए और कोचिंग शुल्क और कमरे की किराया राशि उपलब्ध कराए राज्य सरकार : अरूण चतुर्वेदी**

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया पर बूंदी जिले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किया गये हमले व पत्थरबाजी के विरोध में और रीट पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने नेतृत्व में भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के नाम उनके प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा गया। प्रतिनिधिमंडल में राजेन्द्र राठौड़ के नेतृत्व में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष माधोराम चौधरी, प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, जयपुर ग्रेटर मेयर सौम्या गुर्जर, प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।

राजेन्द्र राठौड़ ने मीडिया से बातचीत में बताया कि रीट पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग को लेकर और अलवर मूकबधिर पीड़िता को न्याय को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जयपुर से लेकर पूरे राजस्थान में मुखरता से आंदोलन किये जा रहे हैं, जिनसे कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार चौतरफा घिर चुकी है और बौखलाहट में हमारे प्रदेश अध्यक्ष पर कायराना हमला किया गया, ऐसे कायराना हमलों से भाजपा डरने वाली नहीं है, किसान कर्जमाफी, पेपर लीक, महिला सुरक्षा, संविदाकर्मी, बिगड़ी कानून व्यवस्था इत्यादि मुददों पर हम सड़क से लेकर सदन तक और मुखरता से लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि इन्हीं जनहित के मुददों पर विधानसभा में भी जनविरोधी कांग्रेस सरकार को घुटनों के बल लाने पर मजबूर कर देंगे। अशोक गहलोत को स्वयं की और कांग्रेस की जमीनी हकीकत पता चल चुकी है कि कांग्रेस सरकार के खिलाफ पूरे राजस्थान में एंटीइंनबेंसी का माहौल है और 2023 में प्रदेश का किसान व युवा कांग्रेस सरकार को सत्ता से विदाई करने को तैयार बैठा है। अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को न्याय दिलाने के लिए रीट पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच हो, जिससे सभी नकल माफियाओं को कड़ी सजा मिले। साथ ही प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया पर हमला करने वाले कांग्रेसी कार्यकर्ताओं पर कड़ी कार्यवाई हो। चतुर्वेदी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा रीट लेवल-2 परीक्षा को रदद् करने से प्रभावित युवाओं से पुनः परीक्षा शुल्क, आवागमन शुल्क नहीं लिया जाए और उनकी तैयारी के लिए कोचिंग शुल्क और कमरे का किराया राशि उपलब्ध करायी जाए, जिससे इन अभ्यर्थियों को रीट लेवल-2 की तैयारी हेतु संबल मिल सके।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस सरकार में मंत्री सुभाष गर्ग जो भरतपुर से विधायक हैं, यह स्वयं राजीव गांधी स्टडी सर्किल के को-कॉर्डिनेटर हैं, रीट पेपर लीक मामले के तार इस सर्किल से सीधे जुड़े होने की बात सामने आ रही है, इसलिए हमारी राज्य सरकार से मांग है कि रीट पेपर लीक मामले में सुभाष गर्ग सहित सभी छोटे-बड़े लोगों की जांच होनी चाहिए और इस पूरे मामले की सीबीआई जांच हो जिससे निष्पक्ष जांच हो सके।

गर्ग, डोटासरा के साथ देवाराम भी गुनहगार, सीबीआई जांच ही विकल्प : किरोड़ी मीणा

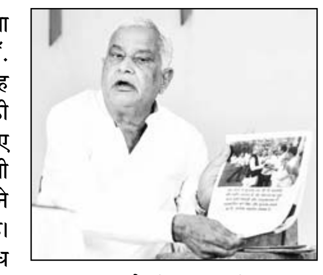

डॉ.किरोड़ी लाल मीणा

- **जारोली को मुंह खोलने से किया मना मुख्यमंत्री पर भी विफल होने का लगाया आरोप**
- **रीट से पहले लगे ब्रॉडबैंड कनेक्शनों की हो जांच**

जयपुर। सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने रीट पेपर लीक प्रकरण में मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग, पूर्व मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा के साथ ही सीएम के ओएसडी देवाराम सैनी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मीणा का कहना है कि ये तीनों भी लाखों छात्रों के भविष्य से धोखा करने के लिए समान रूप से गुनहगार है। सीबीआई जांच से ही इस मामले में दूध का दूध और पानी का पानी होगा।

मीणा ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि बर्खास्त करने के बाद बोर्ड अध्यक्ष धर्मपाल जारोली ने बयान दिया था कि राजनैतिक संरक्षण में रीट का पेपर लीक हुआ है। उसके बाद से ही जारोली को बड़े लोगों ने गायब कर दिया जिनमें सत्ताधारी दल के मंत्री एवं पीसीसी चीफ शामिल है। इन लोगों ने जारोली को मुंह खोलने के लिए मना किया है। इन लोगों ने ही पेपर लीक गैंग के साथ मिलकर करोड़ों रुपए का न्यारावारा किया है। राजस्थान विश्वविद्यालय पेंशनर्स एसोसिएशन के ग्रुप पर जारोली ने 4 फरवरी को एक मैसेज डाला था कि "मुझे तो बेवजह बलि का बकरा बनाया जा रहा है कुछ बड़े नेताओं तथा ब्यूरोक्रेट्स ने मिलकर यह बड़ा घोटाला किया है", जिसमें मंत्री डॉ. सुभाष गर्ग के दबाव में आकर मैंने सरस्वती प्रिंटिंग प्रेस को पेपर छापने का टेंडर दिया था। इसकी जानकारी प्रदीप पाराशर को भी थी। सरस्वती प्रिंटिंग प्रेस से एक प्रभावशाली मंत्री ने पेपर प्राप्त कर लिया, जो करीबन 20 परीक्षा केंद्रों को दिया गया। इसके जरिए करोड़ों रुपए एकत्र किए गए। मीणा ने कहा कि जारोली को बर्खास्त करने के बाद अभी तक गिरफ्तार नहीं किया जाना सरकार की मिलीभगत का उदाहरण है। क्रम संख्या-55 पर अंकित जसवन्त सीनियर हायर सैकेण्डरी स्कूल भरतपुर, क्रम संख्या-74 पर अंकित मदर टैरेसा स्कूल भरतपुर इन दोनों में सुभाष गर्ग का शेयर है और क्रम संख्या 87 पर अंकित बाबा लक्ष्मण दास कॉलेज भरतपुर में सुभाष गर्ग का चुनाव कार्यालय रहा है। इन तीनों को सेंटर बनाया गया। महिलाओं को यथा संभव नजदीक रखा जाए, जबकि इन्होंने गनमैन एवं उसके एक दर्जन साथियों को पास कराने के लिए भरतपुर के मदर टैरेसा सेन्टर में परीक्षा दिलाई। एक बात और अचंभित करने वाली है कि मदर टैरेसा कॉलेज एवं जसवंत स्कूल एक ही कैम्पस में है और मालिक भी एक ही है, किन्तु नियम विरूद्ध इसमें दो परीक्षा केन्द्र बना दिए जहां पेपर पढ़ाया गया। लक्ष्मण कॉलेज भरतपुर में भी सेंटर रखा जहां यहीं खेल हुआ। इसी तरह ब्लैक लिस्टेड स्कूल/कॉलेज जैसे- कमला देवी कॉलेज अलवर, डीकवाल अलवर, द्रोणाचार्य महिला महाविद्यालय बूढी बावल कोटकासिम अलवर, शिव शक्ति स्कूल जयपुर, सुनीता आईटीआई सेन्टर, पन्नाधाय टोंक को भी सेन्टर बनाया गया।

उन्होंने कहा कि डॉ. बनैसिंह आरजीएससी का कॉर्डिनेटर हैं और डॉ. सुभाष गर्ग के कहने पर ही आरजीएससी के तमाम पदाधिकारियों की नियुक्ति डॉ. बनैसिंह ने करवाई है इन पर पूर्व में रिश्वत लेने के आरोप में भरतपुर स्थित मथुरागेट थाने में मुकदमा दर्ज हो चुका है। कई संगठन भी इनकी लिखित शिकायत दर्ज कर चुके हैं, रीट पेपर घोटाले में सभी पदाधिकारियों के मध्य समन्वय स्थापित करने का काम इनका ही था। इनके और डी.पी. जारौली व प्रदीप पाराशर के मध्य इस दौरान हुई फोन पर बातचीत और लोकेशन से यह बात स्पष्ट हो जाएगी। वास्तव में पूरे राज्य में सेन्टर और डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर लगाने का काम डॉ. सुभाष गर्ग के कहने पर डॉ. बनैसिंह स्टेट कॉर्डिनेटर आरजीएससी के द्वारा ही लगवाई जा रही थी। बड़ी राशि लेकर सारे सेन्टर डॉ. बनैसिंह द्वारा आवंटित किए, जबकि यह सेन्टर आवंटित करने के लिए अधिकृत ही नहीं था इसे गिरफ्तार किया जाए। करीबन 40 परीक्षा केन्द्रों की सूची में जहां पर आरजीएससी से जुड़े लोगों को कॉर्डिनेटर लगा दिया इसमें कई प्राईवेट है। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान के चेयरमैन डॉ डीपी जारोली राजस्थान के प्रदेश स्तरीय समिति के सदस्य हैं, राजस्थान रीट के जयपुर डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर प्रदीप पाराशर आरजीएससी के क्षेत्रीय समन्वयक है। जयपुर रीट के कोऑर्डिनेटर सुभाष यादव आरजीएससी के स्टेट कोऑर्डिनेटर है। यह सभी डॉ सुभाष गर्ग के अत्यंत खास व्यक्ति हैं और डॉ सुभाष गर्ग रगस्क के स्टेट कोऑर्डिनेटर डॉ बनेसिंह के माध्यम से इन पर नियंत्रण रखकर अपने कार्य करवाते हैं।

प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में और गिरावट आई

राज्य में सोमवार को 2298 नए संक्रमित मिले, जबकि रविवार को 4509 रोगी पाए गए थे

- **राजधानी जयपुर में भी और कमी आने के साथ ही 403 नए मरीज मिले हैं।**
- **प्रदेश में संक्रमण दर भी घटकर 3.34 फीसदी जबकि स्वस्थ होने की दर बढ़कर 95.97 प्रतिशत हो गई है।**
- **राज्य में पिछले चौबीस घंटों में करोना से 12 और लोगों की मौत हो गई है।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में नए करोना संक्रमितों की संख्या में और गिरावट आई है। इस दौरान राज्य में सोमवार को 2298 नए संक्रमित मिले हैं। इसके साथ ही संक्रमण दर घटकर 3.34 फीसदी पर आ गई है। इधर प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में करोना से 12 और लोगों की मौत हो गई है।

राज्य में करोना संक्रमण का ग्राफ लगातार गिरता ही जा रहा है। सोमवार को प्रदेश में 2211 मामले कम मिलने के साथ ही 2298 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले रविवार को 4509 रोगी पाए गए थे। इधर राजधानी जयपुर में भी नए संक्रमितों की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। जिले में आज 403 नए संक्रमित मिले हैं।

इसके अलावा जोधपुर में 239, झुंझुनूं में 131, अलवर में 123, राजसमंद में 114, भीलवाड़ा में 105, पाली में 104, कोटा और सिरोही में 96-96, गंगानगर 92, बीकानेर में 88, अजमेर में 87, जैसलमेर में 76, नागौर में 70, सवाई माधोपुर में 64, बारां में 59, बांसवाड़ा में 55, झालावाड़ में 52, करौली में 46, उदयपुर में 42, डूंगरपुर में 24, धौलपुर में 21, प्रतापगढ़ में 18, बाड़मेर व भरतपुर में 17-17, सीकर में 14, चित्तौड़गढ़ में 11, बूंदी, चूरू और टोंक में 8-8, दौसा में 7, जालौर में 2 और हनुमानगढ़ में 1 नए संक्रमित मिला हैं। इस बीच राज्य में सोमवार को नए संक्रमितों के मुकाबले तीन गुना 7299 मरीज ठीक हुए हैं।

इसके साथ ही राज्य में एक्टिव केस घटकर 40 हजार 880 रह गए हैं। वहीं राजधानी जयपुर में इनकी संख्या 10 हजार से कम होकर 9676 रह गए हैं। रिकवरी रेट बढ़कर 95.97 फीसदी पर पहुंच गई है।

मगरमच्छों की गिरफ्तारी होनी चाहिए, मैं गरीब युवाओं की ताकत : किरोड़ी

जयपुर। सांसद किरोड़ी मीणा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि रीट दस्तावेजों की सच्चाई वे खुद एसओजी को लगातार बता रहे हैं। किरोड़ी ने कहा कि वे गरीब युवाओं की ताकत है और रीट धांधली में मगरमच्छों की गिरफ्तारी तक संघर्ष जारी रहेगा। डॉक्टर मीणा ने मुख्यमंत्री की ओर से रीट के दस्तावेजों को लेकर उनकी जांच की बात पर पलटवार किया। कहा कि "मैं खुद एसओजी को सब कुछ बताता रहा हूं और आगे भी बताऊंगा। डॉक्टर मीणा ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि सीएम उन्हें सीरियसली नहीं लेने की बात करते हैं, लेकिन रीट को निरस्त करके उन्होंने मुझे सीरियसली लिया है। डॉक्टर मीणा ने आरोप लगाया कि दिल्ली में बैठे गांधी परिवार की सेवा में अपनी जिंदगी लगाने वाले बेरोजगार युवाओं को रोजगार देने के लिए एक परीक्षा तक का सफल आयोजन नहीं करवा सके।

चर्चा है कि आखिर क्या कारण है राजे, माथुर और परनामी ने ना कोई बयान जारी किया, ना कुशलक्षेम जानी

जयपुर। राजस्थान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया पर बूंदी जिले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए हमले व पत्थरबाजी मामले की भाजपा केंद्रीय आलाकमान ने जानकारी ली और सतीश पूनिया से फोन पर बात कर कुशलक्षेम पूछी। भाजपा कार्यकर्ताओं एवं सियासी गलियारों में इस बात की चर्चा जोरों पर है सतीश पूनिया पर हमले को लेकर भाजपा केंद्रीय आलाकमान से लेकर केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों, विधायकों राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों ने जानकारी ली, बयान जारी किये व उनकी कुशलक्षेम पूछी, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, राज्यसभा सांसद ओमप्रकाश माथुर और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व वसुंधरा राजे के करीबी अशोक परनामी ने सतीश पूनिया पर हमले को लेकर ना कोई बयान जारी किया, ना कोई ट्वीट आए और ना ही कुशलक्षेम पूछने की कोई जानकारी मिली है। इसके साथ ही भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, सह प्रभारी भारती बेन, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, सभी राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष और पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रदेश के पार्टी के सांसद एवं विधायकों, प्रदेश पदाधिकारियों ने सतीश पूनिया से बात कर कुशलक्षेम जानी।

बीजिंग ओलंपिक में कोरोना संक्रमण के 11 नए मामले

बीजिंग, 7 फरवरी। शीतकालीन ओलंपिक खेलों 2022 में हिस्सा लेने के लिए बीजिंग पहुंचे लोगों में से 11 कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इनमें से सात एथलीट हैं। स्पूतनिक ने सोमवार को खेलों के प्रमुख आयोजकों में से एक हुआंग चुन के हवाले से कहा, कुल 142 प्रतिभागी कल यहां पहुंचे थे, जिनमें से 65 एथलीट थे। इन सभी के यहां पहुंचने पर कराए गए कोरोना टेस्ट में 11 लोग संक्रमित पाए गए, जिनमें से सात एथलीट और चार टीम के सदस्य हैं। उल्लेखनीय है कि चीन के बीजिंग में चार फरवरी से 20 फरवरी तक शीतकालीन ओलंपिक खेलों 2022 का आयोजन हो रहा है।

एफआईएच 17 फरवरी को घोषित करेगा महिला विश्व कप 2022 का शेड्यूल

लुसाने (स्विट्जरलैंड), 7 फरवरी। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ 17 फरवरी को स्पेन के टेरासा में आगामी एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप 2022 का शेड्यूल घोषित करेगा। एफआईएच ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। 16 टीमों वाले इस टूर्नामेंट का एक से 17 जुलाई तक स्पेन और नीदरलैंड में आयोजन होगा। मेजबान देशों स्पेन और नीदरलैंड के अलावा जर्मनी और आयरलैंड अन्य यूरोपीय टीमें हैं, जबकि अफ्रीका का प्रतिनिधित्व दक्षिण अफ्रीका करेगा। चीन, भारत, जापान और कोरिया चार एशियाई टीमें हैं जो टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। अमेरिका महाद्वीप से अर्जेंटीना, कनाडा और चिली तीन टीमें हैं, जिन्होंने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के लिए अपना टिकट बुक किया है, जबकि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ओसनियाई टीमें हैं। कैटलन शहर का ओलंपिक स्टेडियम और नीदरलैंड की राजधानी एम्स्टर्डम का वैगनर स्टेडियम ठ्ाुप चरणों और क्रॉस-ओवर मैचों की मेजबानी करेगा, जबकि सेमीफाइनल और फाइनल टेरासा में होगा। उल्लेखनीय है कि 2018 में पिछले संस्करण में नीदरलैंड ने आयरलैंड को हराकर खिताब जीता था, जबकि स्पेन तीसरे स्थान पर रहा था।

फ्रांस के खिलाफ मुकाबले के साथ नए मिशन की शुरुआत करेगा भारत

पोचेफस्ट्रूम (दक्षिण अफ्रीका), 7 फरवरी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग अभियान के शुरुआती मैचों में मेजबान दक्षिण अफ्रीका और फ्रांस से भिड़ने के लिए तैयार है। दुनिया की नंबर 3 टीम दोनों टीमों के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगी। इस दौरान उसका लक्ष्य 2022 सीजन की सकारात्मक शुरुआत करना है। उप कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, हम वास्तव में उत्साहित हैं ... हम अपने सीजन की शुरुआत दो मजबूत टीमों के खिलाफ खेल कर करेंगे, इसलिए यह अच्छा है। हमारा ध्यान मोमेनटम हासिल करने और सकारात्मक शुरुआत करने पर है, क्योंकि हम इस साल कदम-दर-कदम आगे बढ़ रहे हैं। प्रो लीग मैच हमें बड़े टूर्नामेंट के लिए तैयार करने में मदद करेंगे। गौरतलब है कि भारत अपना पहला मैच आठ फरवरी को फ्रांस के खिलाफ खेलेगा।

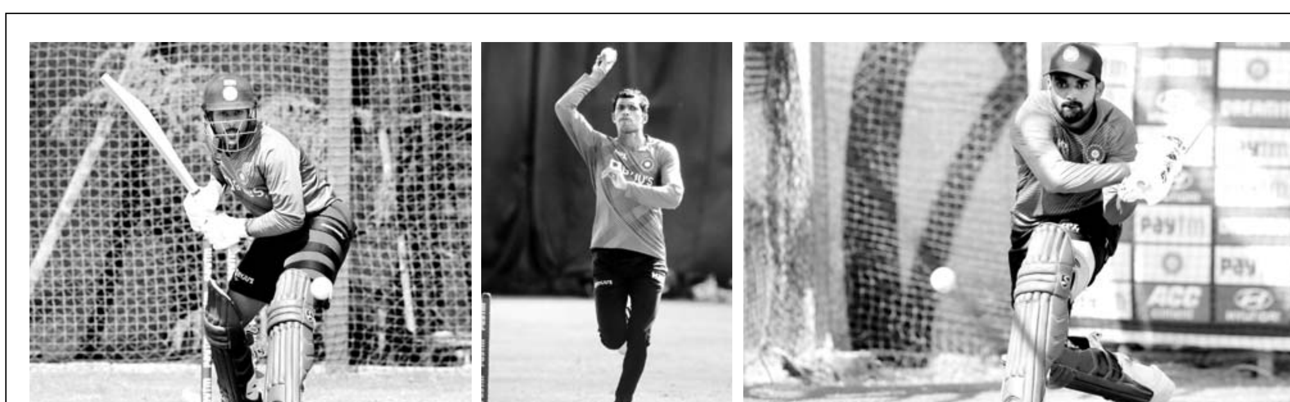

भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे तीन मैचों की वनडे श्रृंखला का दूसरा मुकाबला 9 फरवरी को खेला जायेगा। सोमवार को दूसरे एकदिवसीय मैच से पहले भारतीय टीम के साथ ओपनर केएल राहुल, मयंक अग्रवाल और नवदीप सैनी भी जुड़े। इन्होंने भी टीम के साथ अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया।

श्रीलंका टी-20 सीरीज के लिए डेनियल सैम्स ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल

मेलबोर्न, 7 फरवरी। बिग बैश लीग के हाल ही में संपन्न 11वें सीजन में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करने वाले ऑलराउंडर डेनियल सैम्स को श्रीलंका के खिलाफ आगामी पांच मैचों की घरेलू टी-20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है।

सैम्स पिछले साल आईसीसी टी-20 विश्व कप के लिए रिजर्व खिलाड़ी के रूप में ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ रहे थे। उन्होंने बीबीएल के 11वें सीजन में सिडनी थंडर्स के लिए 15 मैचों में 191 रन बनाए और 19 विकेट लिए। इतना ही नहीं उन्होंने मेलबोर्न रेनेगेड्स के खिलाफ एक मैच में विस्फोटक अंदाज में खेलते हुए 98 रन की नाबाद पारी भी खेली।

एशेज सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ट्रैविस हेड हालांकि घरेलू प्रथम श्रेणी टूर्नामेंट शेफील्ड शील्ड में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के लिए उपलब्ध रहने के चलते श्रीलंका सीरीज के शुरुआती मैचों से चूक जाएंगे। समझा जाता है कि वह सीरीज के आखिरी दो मैचों के लिए चयन के लिए उपलब्ध होंगे। इस बीच मिचेल मार्श और डेविड वार्नर को सीरीज के लिए आराम दिया गया है, जबकि जोश हेजलवुड ने वापसी की है और बेन मैकडरमोट को भी पहला कॉलअप (आमंत्रण) मिला है।

उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच सिडनी में 11 फरवरी को टी-20 सीरीज शुरू होगी। 13 फरवरी को दूसरा मैच भी यहीं खेला जाएगा, जबकि 15 फरवरी को तीसरा मैच कैनबेरा और 18 तथा 20 फरवरी को आखिरी दो मैच मेलबोर्न क्रिकेट ठाउंड पर खेले जाएंगे।

2016 आईपीएल फाइनल आज भी दर्द देता है : विराट कोहली

नयी दिल्ली, 7 फरवरी। आईपीएल करियर के 207 मौचों में आए कई उतार-चढ़ावों के बीच विराट कोहली ने कहा है कि 2016 सीजन का फाइनल उनको आज तक आहत करता है। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने 2009 और 2011 में भी आईपीएल फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मैच में वह फेवरेट थे, क्योंकि वह अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेल रहे थे।

उन्होंने अपनी बल्लेबाजी के माध्यम से भी फाइनल में जगह बनाई थी, जिसमें एबी डिविलियर्स, केएल राहुल, क्रिस गेल और कोहली शामिल थे। इस दौरान विराट ने कई रिकॉर्ड बनाए थे। फाइनल में 209 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी ने बिना विकेट खोए 114 रन बना लिए थे, लेकिन फिर भी वह आठ रन से मैच हार गए। कोहली ने आरसीबी के पोडकास्ट से कहा, मुझे लगा जैसे यह मैच पहले से लिखा गया है, हमने उस सीजन में बेहतरीन खेल खेला और हम मैच इस तरह खेले, जहां हम नौ ओवर में बिना किसी नुकसान के 100 रन बना लिए थे। फिर भी हम हार गए। इतना ही नहीं आज तक लोकेश राहुल, अगर कोई उस मैच का हाइलाइट पैकेज चला रहा है, वह एक स्क्रीनशॉट लेता है और कहता है कि यह अभी भी दर्द करता है।

हमने जीत के बाद के जश्न की तैयारी कर ली थी। हम जीत के जश्न मनाने की मुद्रा में उदास चेहरे लिए बैठे थे। मैं यह नहीं कहूंगा कि वह हमारा दिन था, यह वह मैच था, जो आज भी मुझे तकलीफ देता है।

विराट ने कहा, इसने मुझे काफी निराश किया। हमारे पास मौका था, हम जीत के करीब थे। अंत में मैंने इसे भाग्य नहीं माना। वहां विपक्षी टीम भी खेलने आई थी। वह उस दिन हमसे बेहतर खेली, आपको यह मानना पड़ेगा। हम उस दिन अपनी योजना को लेकर क्लीयर नहीं थे। हम अहम मौके पर पिछड़ गए। आप कह सकते हैं कि हमारे जीतने की उम्मीद थी, लेकिन हमारे सामने कई बाधाएं खड़ी थीं, हमें उन बाधांओं पार पाना था। आप उनसे भाग नहीं सकते।

उन्होंने कहा "वह सीज़न अविश्वसनीय था। हमारे पास चार लोग थे, जो अपने चरम पर थे, जो कि टी 20 क्रिकेट में बहुत कम देखने को मिलता है। उस सीजन से केएल राहुल का करियर ठााफ बदल गया और इस बात से केएल भी सहमत हैं।

उल्लेखनीय है कि कोहली ने पिछले सीजन में आठ साल के बाद आरसीबी की कप्तानी छोड़ दी थी। वह आईपीएल इतिहास के अकेले ऐसे खिलाड़ी हैं, जो एक ही फ्रैंचाइजी के लिए खेल रहे हैं। पूर्व भारतीय टीम के कप्तान दावा किया कि उन्हें कई फ्रैंचाइजी ने खुद को ऑक्शन में लाने की पेशकश की।

उन्होंने कहा, मुझसे कई बार दूसरी फ्रैंचाइजी ने किसी भी तरह नीलामी में आने के लिए संपर्क किया। उन्होंने कहा कि यदि आप एक अच्छे इंसान हैं, तो वह आपके लिए अच्छे हैं और अगर आप एक बुरे आदमी हैं, तो वे आपसे दूर रहते हैं।

कोहली ने बेंगलुरु के प्रति वफादारी को लेकर कहा, पांच लोग आपस यह कहें कि आपने एक्सवाईजेड के साथ आईपीएल जीत लिया है। यह सुनने के बाद आप पांच मिनट के लिए अच्छा महसूस करते हैं और फिर छठे मिनट में आप किसी अन्य मुद्दे से दुखी हो सकते हैं। इस फ्रैंचाइजी ने मुझे पहले तीन वर्षों में जो दिया है, और मुझ पर विश्वास किया है, वह सबसे खास बात है। ऐसी कई टीमें थीं जिनके पास अवसर था। उन्होंने मेरा समर्थन नहीं किया और उन्होंने मुझ पर विश्वास नहीं किया।

पूर्व कप्तान ने 2013 में कप्तानी दिए जाने के बारे में कहा मुझे याद है कि हम दक्षिण अफ्रीका में चैंपियंस लीग खेल रहे थे और रे जेनिंग्स और सिद्धार्थ माल्या ने मुझसे संपर्क किया और कहा कि वह केवल मुझे रिटेन करना चाहते हैं। वह मेरे चारों ओर एक पूरी नई टीम बनाना चाहते थे।

ऑस्ट्रेलिया में आईसीसी टी-20 विश्व कप 2022 के टिकटों की बिक्री शुरू

दुबई, 7 फरवरी। ऑस्ट्रेलिया में इस वर्ष 16 अक्टूबर से 13 नवंबर तक होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 क्रिकेट विश्व कप के टिकटों की बिक्री शुरू हो गई है। आईसीसी ने सोमवार को एक विज्ञिप्त के माध्यम से जानकारी दी कि टी-20 विश्वकप.कॉम पर आज से टूर्नामेंट के सभी 45 मैचों के लिए टिकट उपलब्ध हो गए हैं, जिसमें फाइनल भी शामिल है, जो 13 नवंबर को मेलबोर्न क्रिकेट स्टेडियम (एमसीजी) पर खेला जाएगा। आईसीसी ने एक बयान में कहा, पहले राउंड और सुपर 12 चरण के प्रत्येक मैच के लिए बच्चों के टिकट पांच डॉलर (लगभग 374 रुपए) से उपलब्ध हैं, जबकि व्यस्क लोगों के लिए टिकट 20 डॉलर (लगभग 1494 रुपए) से उपलब्ध हैं। जिसके मैच एडिलेड, ब्रिस्बेन, जिलॉन्ग, होबार्ट, मेलबोर्न, पर्थ और सिडनी शहर में खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया की सफेद गेंद टीम के कप्तान आरोन फिंच ने इस बारे में कहा, आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप हमारे लिए अपने घरेलू प्रशंसकों के सामने खिताब को डिफेंड करने के लिए एक शानदार टूर्नामेंट होगा। विश्व कप खेलने ऑस्ट्रेलिया आने वाली दुनिया की सबसे बेहतरीन टीमों के पास उनके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं। ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों के लिए दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमें और खिलाड़ियों को देखने का यह एक शानदार अवसर है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा, हमने 2015 पुरुष वनडे क्रिकेट विश्व कप और पिछले साल महिला टी-20 विश्व कप में घरेलू दर्शकों के समर्थन की शक्ति को महसूस किया है।

रणजी 2022 सीजन में नहीं खेलेंगे हार्दिक पांड्या

टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की नजर वाइट बॉल क्रिकेट में वापसी पर लगी है और इसी वजह से वह रणजी ट्रॉफी 2022 में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। सोमवार को बड़ौदा क्रिकेट टीम की घोषणा हुई, जिसमें केदार देवधर को कप्तान बनाया गया है, जबकि विष्णु सोलंकी टीम के उप-कप्तान होंगे। हार्दिक पांड्या टी20 वर्ल्ड कप 2021 के बाद से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। उनकी गेंदबाजी को लेकर सवालिया निशान लग चुका है और सिर्फ बल्लेबाज के तौर पर उनका प्रदर्शन काफी खराब रहा है। बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन ने सोमवार को 20 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जो रणजी ट्रॉफी के पहले फेज में हिस्सा लेगी।

पोलार्ड मुझे उकसाने का प्रयास कर रहे थे : सूर्यकुमार

अहमदाबाद, 7 फरवरी। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने कहा कि वेस्ट इंडीज के कप्तान कीरोन पोलार्ड ने रविवार को पहले वनडे के दौरान उन्हें उकसाने का प्रयास किया लेकिन वह मैच को ख़त्म कर बाहर जाना चाहते थे। भारत के चार विकेट 116 रन पर गिर गए थे।

रोहित के साथ साक्षात्कार में बोले चहल, गुगली है मेरा मजबूत हथियार

अहमदाबाद, 7 फरवरी। भारतीय लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने रविवार को यहां वेस्ट इंडीज के खिलाफ पहले वनडे मैच में 100वां वनडे विकेट लेने की उपलब्धि हासिल करने के बाद कप्तान रोहित शर्मा के साथ साक्षात्कार में कहा कि उन्होंने साइड-आर्म गेंदबाजी पर काम किया है और गुगली गेंद उनका मजबूत हथियार है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सोमवार को ट्वीटर पर एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें रोहित मैच के बाद चहल का साक्षात्कार लेते नजर आ रहे हैं। इसमें चहल ने रोहित द्वारा 100 वनडे विकेट की उपलब्धि हासिल करने के बाद कैसा महसूस होने के बारे में पूछे जाने पर कहा, यह एक अच्छा अहसास है। मेरे करियर ने उतार-चढ़ाव देखे हैं। मैं वनडे में 100 विकेट लेने में सफल रहा हूं, यह एक बड़ा क्षण है। यह नहीं सोचा था कि मैं अपने करियर के शुरुआती दिनों में यह उपलब्धि हासिल कर लूंगा। मैंने अपने एंगल बदल लिए हैं। दूसरे गेंदबाज साइड-आर्म गेंदबाजी करते थे, इसलिए जब मैं टीम में नहीं था तो मैंने इस पर काम किया। रोहित ने साक्षात्कार के अंत में चहल को बधाई देते हुए कहा, आप हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, मैं चाहता हूं कि आप भी इसी मानसिकता के साथ खेलें। उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, इसलिए मानसिकता को सही जगह पर रखना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि चहल ने अब 60 वनडे मैचों में 103 विकेट अपने नाम कर लिए हैं। वह मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव के बाद सबसे तेज 100 वनडे विकेट के आंकड़े तक पहुंचने वाले चौथे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं।

उपलब्धियों की बुकलेट नहीं छापने पर विधायकों पर नाराज हुए मुख्यमंत्री गहलोत

राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट चार राज्यों के चुनाव में प्रचार अभियान में जुटे हुए हैं। कांग्रेस की ओर से स्टार प्रचारकों में शामिल सचिन पायलट ने उत्तर प्रदेश में पहले दौर के मतदान से पहले, पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कई सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में डोर टू डोर जनसंपर्क किया। सोमवार को सचिन पायलट ने नोएडा में कांग्रेसी उम्मीदवार पंखुड़ी पाठक के समर्थन में डोर टू डोर जनसंपर्क किया और लोगों से कांग्रेस को जीत दिलाने की अपील की।

चिंतन शिविर को लेकर बोले सचिन पायलट-यह संवाद का अच्छा तरीका है

जयपुर, 7 फरवरी (का.प्र.)। राजस्थान के कांग्रेस विधायकों का तीन दिवसीय चिंतन शिविर होटल लीला पैलेस में चल रहा है। चिंतन शिविर को लेकर कितनी गंभीरता है, इस बात का अंदाजा ऐसे लगाया जा सकता है कि शिविर के पहले दिन दोपहर में ही विधायक पहुंच गए, लेकिन देर शाम तक ना मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आए, ना प्रभारी अजय माकन पहुंचे। ऐसे में पहले दिन चिंतन शिविर में पहुंचे विधायकों ने एक दूसरे के साथ में बातचीत करके समय काटा।

दूसरे दिन सुबह विधायक दल की बैठक हुई इस बैठक में सामने की ओर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रभारी अजय माकन, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, गुजरात के प्रभारी डॉ रघु शर्मा और मंत्री डॉ बी डी कल्ला बैठे। वही बाकी सभी विधायकों को सामने बिठाया गया। दूसरे दिन विधायक दल की बैठक में रीट का मुद्दा ही छाया और अधिकांश विधायकों ने मुख्यमंत्री के पूछे जाने पर रीट की परीक्षा को रद्द करने की बात ही कही। इसके अलावा विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विधायकों पर भी नाराजगी प्रकट कर दी दरअसल यह नाराजगी इस बात पर थी कि, सभी विधायकों को पहले ही कहा जा चुका कि, वे अपने क्षेत्र में हुए काम की बुकलेट छपायें और उसे बंटवाए, ताकि यह पता चल सके कि उनके क्षेत्र में सरकार ने क्या काम किए हैं। अभी तक किसी भी विधायक ने यह बुकलेट नहीं छपाई है। ऐसे में मुख्यमंत्री ने कहा है कि अपने किए हुए काम ही नहीं बताओगे तो जनता को पता कैसे चलेगा। इसी कडी में चिंतन शिविर के दूसरे दिन शाम को जिलेवार विधायकों से उनके क्षेत्र की समस्याएं जानने का प्रयास किया गया। बैठक के बाद में पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि अपने विधायकों के साथ संवाद का यह अच्छा तरीका है। बजट से पहले सभी विधायकों से उनके सुझाव लेना और राय जानना अच्छी प्रक्रिया है।

चिंतन शिविर में विधायकों से संगठन के बारे में भी चर्चा की जाएगी कि किस तरह से संगठन को और अधिक मजबूत किया जा सकता है। इसी के साथ विधायकों को बजट सत्र के दौरान विपक्ष के हमलों को नाकाम करने के बारे में भी रणनीति समझाई जाएगी।

हिन्दुस्तान ज़िंक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर्यावरण मानकों के उल्लंघन तथा बड़े पैमाने पर नुकसान होने की बात कही गई थी। ट्रिब्यूनल प्रमुख आदर्श कुमार गोयल, जो सर्वोच्च न्यायालय के जज रह चुके हैं, की अध्यक्षता वाली बैंच ने हिन्दुस्तान ज़िंक को आदेश दिया कि, वह तीन महीने के अंदर भीलवाड़ा जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में जुर्माना-राशि जमा कराये ताकि इकोलॉजिकल रीहैबिलिटेशन तथा रैस्टोरेशन के उपचारक उपायों का खर्च वहन किया जा सके। याचिकाकर्ताओं ने कुओं, गड्ढों, कृषि-उत्पादों मवेशियों को नुकसान पहुँचाने, भूगर्भजल के संदूषण (कन्टैमिनेशन) तथा भू-अवक्रमण (डिग्रडेशन) के आरोप लगाये थे तथा इस बात के सुस्पष्ट प्रमाण दिये थे कि, यह नुकसान इन औद्योगिक गतिविधियों के कारण ही हुआ है।

‘कश्मीर का गलत चित्रण हुआ’

मॉस्को, 7 फरवरी। रूस ने अपनी उन मीडिया रिपोर्ट्स को सीधे तौर पर नकार दिया है, जिनमें कश्मीर की तुलना फिलिस्तीन से की गई है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सरकार ने इस विवाद पर बयान जारी कर कहा कि कश्मीर पर कोई भी बात भारत-पाकिस्तान का आपसी मसला है।

पुतिन सरकार का यह बयान रेडफिश डिजिटल मीडिया की ओर से किए गए उस ट्वीट के बाद आया है,

- **रशियन मीडिया में कश्मीर पर आई खबरों को पुतिन सरकार ने नकारा।**

जिसमें उसने कश्मीर पर बनाई एक डॉक्युमेंट्री की झलक दिखाई थी और कश्मीर की फलस्तीन से तुलना कर दी थी। ट्विटर पर रेडफिश डिजिटल मीडिया को रूस की सरकारी मीडिया बताया गया है। अपनी वेबसाइट पर रेडफिश खुद को कई अवॉर्ड जीतने वाला डिजिटल कंटेंट क्रिएटर बताता है।

इसी डॉक्युमेंट्री को लेकर उठे विवाद के बाद रूसी दूतावास ने बयान जारी किया है।

वैक्सीन लगाने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पैन कार्ड, वोटर कार्ड तथा राशन कार्ड।

न्यायमूर्ति डी.वाई. चन्द्रचूड़ तथा सूर्य कान्त की बैंच ने तदनुसार पुणे जिले के कोठरूड़ नामक कस्बे के सिद्धार्थ शंकर शर्मा की पी.आई.एल. को निपटा दिया। बैंच ने पी.आई.एल. को लेकर केन्द्र को नोटिस जारी कर दिया।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, “केन्द्र के वकील का कहना है कि, करीब 87 लाख ऐसे लोग, जिनके पास पहचान पत्र नहीं थे, को टीका लगा दिया गया है। याचिकाकर्ता की शिकायत भी शपथ पत्र पर की गई है कि, उसे आधार कार्ड प्रस्तुत न करने के कारण टीका लगाने से मना कर दिया गया था। स्वास्थ्य मंत्रालय ने महाराष्ट्र के स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव को पत्र लिखकर कहा कि, संबंधित प्राइवेट वैक्सिनेशन सैन्टर के खिलाफ कार्यवाही की जाये, जिसने याचिकाकर्ता द्वारा बैध पासपोर्ट आई.डी. प्रस्तुत किये जाने के बावजूद उसे टीका लगाने से इंकार कर दिया। याचिकाकर्ता की शिकायत पर पूरा ध्यान दिया गया था। “अदालत ने अपने आदेश में यह भी कहा, “सभी संबंधित अधिकारियों को सरकार की नीति के अनुरूप कार्य करना चाहिए।”

रीट लेवल 2 की परीक्षा को रद्द किया गया

कैबिनेट की बैठक के बाद मु.मंत्री ने किया ऐलान, अब लेवल 1 और 2 को मिलाकर कुल 62000 पदों पर होगी भर्ती

जयपुर, 7 फरवरी (का.प्र.)। प्रदेश की गहलोत सरकार ने गले की फांस बनी रीट लेवल 2 परीक्षा को रद्द कर दिया है। वही लेवल वन को यथावत रखा जाएगा। अब दोनों लेवल को मिलाकर कुल 62000 शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इस पर फैसला लिया गया। इससे पहले विधायक दल की बैठक में सभी विधायकों से इस संबंध में सुझाव लिए गए थे और अधिकांश विधायकों ने रीट रद्द करने की बात सरकार के सामने रखी थी। इसके बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि रीट लेवल-2 के एग्जाम को निरस्त किया जाता है।

इससे पहले प्रदेश की कांग्रेस सरकार प्रदेश की सबसे बड़ी राजस्थान एलिजबिलिटी एग्जामिनेशन फोर टीचर्स (रीट) 2021 को लेकर वाहवाही लूट रही थी। तत्कालीन शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा के अलावा सरकार के अधिकांश मंत्री और विधायक इस परीक्षा कराने को लेकर वाहवाही लूट रहे थे और लगातार कह रहे थे कि विपक्ष इस मामले में राजनीति कर रहा है। हालांकि परीक्षा संपन्न होने के साथ ही इसमें गड़बड़ियों

- **सबसे बड़ी परीक्षा को लेकर सरकार और मंत्री वाहवाही लूट रहे थे, लेकिन एसओजी के फंदे में जब सरकार के नजदीकी लोग फंसे तो गलफांस बनी यही परीक्षा।**
- **अभी भी मंत्री सुभाष गर्ग और राजीव गांधी स्टडी सर्किल को लेकर खड़े हैं सवाल, एसओजी की जांच जारी रहेगी।**

और पेपर लीक को लेकर लगातार खुलासे हो रहे थे और फिर जब बोर्ड अध्यक्ष और परीक्षा समन्वयकों सहित अन्य पर आरोप लगने लगे और भाजपा के राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने सीधे सीएमओ से जुड़े अधिकारी और मंत्री तक के इस मामले में जुड़े होने के आरोप लगाए तो सरकार बचाव की मुद्रा आ गई। इधर एसओजी के हाथ में मामला आने के बाद कई स्तर पर गिरफ्तारियां भी हुई।

दरअसल रीट पेपर लीक मामले को लेकर सबसे ज्यादा आरोप राज्य के मंत्री सुभाष गर्ग पर लग रहे हैं। क्योंकि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के बर्खास्त अध्यक्ष डीपी जारोली और परीक्षा समन्वयक प्रदीप पाराशर जिसे एसओजी गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं अन्य जिलों में समन्वयक बनाए गए लोग राजीव गांधी स्टडी सर्किल से जुड़े हुए हैं और जिसके कर्ता-धर्ता सुभाष गर्ग हैं। हालांकि सुभाष गर्ग पर लग रहे आरोपों के बावजूद वे प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं नजर आए, जबकि पूर्व शिक्षा मंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर सीधे आरोप नहीं होने और मंत्री पद छोड़ने के बावजूद वे सफाई देने के लिए प्रेस कांफ्रेंस में मौजूद रहे।

दरअसल रीट परीक्षा पेपर लीक को लेकर आई शिकायतों के बाद गहलोत सरकार ने इस पूरे मामले की जांच एसओजी को सौंप दी। एसओजी ने भी परीक्षा में हुई धांधली पर मुहर लगा दी है। एसओजी की ओर से जब यह साफ हो गया कि एक गिरोह के जरिये पेपर लीक कर बाजार में बेचा गया। उसके बाद

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के साथ सोमवार को प्रैस कॉन्फ्रेंस कर रीट लेवल -2 परीक्षा रद्द करने तथा 62 हजार पदों के लिए यह परीक्षा दोबारा कराने की घोषणा की।

से ही यह कयास लगाए जा रहे थे कि परीक्षा को रद्द किया जा सकता है। परीक्षा रद्द होने के बाद अब रीट परीक्षा में योग्य घोषित हुए 11 लाख से अधिक अभ्यर्थियों का भविष्य अंधकार में दिखने लगा है।

अशोक गहलोत ने कहा कि, अब शिक्षक भर्ती परीक्षा को लेकर दो एग्जाम होंगे। रीट केवल एलिजिबिलिटी टैस्ट रहेगा। उसके बाद शिक्षक भर्ती के लिए टैस्ट देना होगा। सरकार इसके लिए नियमों में संशोधन करेगी। इसी के साथ रीट पेपर लीक प्रकरण की जांच को लेकर भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने साफ कर दिया कि, रीट मामले की जांच एसओजी ही करेगी। हालांकि रीट पेपर लीक की जांच सीबीआई को देने की मांग भाजपा कर रही है। इस संबंध में भाजपा की ओर से विरोध-प्रदर्शन भी किया जा रहा है।

गहलोत ने कहा था कि आपराधिक लापरवाही बड़ा जुल्म होता है, हमने इस मामले में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन को बर्खास्त किया है और सचिव को सस्पेंड किया है। कई कार्मिकों को भी सस्पेंड किया गया है। जांच आगे बढ़ रही है और लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि, रीट परीक्षा में एक भी आरोप साबित कर दें तो हम राजनीति छोड़ देंगे। मेरे परिवार के 13 लोगों ने परीक्षा दी, लेकिन सब फेल हो गए। उन्होंने कहा कि बीजेपी के नेताओं की आपस की लड़ाई में 20 लाख अभ्यर्थियों के साथ खिलवाड़ हो रहा है। किरोड़ी मीणा, सतीश पूनिया सिर्फ दिल्ली वाले नेताओं को खुश करने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि, हमने जांच के लिए एसओजी को फ्री हैंड कर दिया है। बीजेपी को एसओजी जांच का इंतजार करना चाहिए। डोटासरा ने कहा कि, बीजेपी के नेता कोयले की तरह काले हैं, वो हमारी सफेदी पर क्या आरोप लगाएंगे?

जे.एन.यू. की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में जन्मी शांतिश्री वर्ष 1988 से ही शिक्षण कार्य करती रही हैं। वह कई जाने-माने संगठनों से संबद्ध हैं, जैसे कि इण्डियन एसोसिएशन ऑफ अमेरिकन स्टडीज़, मण्डारकर ओरिएन्टल रिसर्च इंस्टीट्यूट, द अमेरिकन स्टडीज़ रिसर्च इंस्टीट्यूट, हैदराबाद व इण्डियन सैक्युलर सोसायटी और ऑल इण्डिया पॉलिटिक्ल साइंस एसोसिएशन। उन्होंने जो पुस्तकें लिखी हैं, उनमें-“पार्लियामैंट एण्ड फॉरेन पॉलिसी इन इण्डिया” (1990) तथा “रीस्ट्रक्चरिंग एनवायरमैन्टल गवर्नेंस इन एशिया-एथिक्स एण्ड पॉलिसी” (2003) शामिल हैं। वे जे.एन.यू. के लिए नई नहीं हैं, क्योंकि उन्होंने अपनी पी.एच.डी. और एम. फिल की उपाधियां यहीं से प्राप्त की थीं और वर्ष 1985-86 में वह जे.एन.यू. के झेलम हॉस्टल की प्रैसीडैंट भी रह चुकी हैं।

अगर आप...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संख्या बढ़ सके, जो इस समय बहुत कम, 10 लाख के आसपास है। इनमें 2.5 उत्तर प्रदेश के खरीदार तथा 1.26 लाख दिल्ली के खरीदार शामिल हैं। कारों और स्कूटरों में काम आने वाली 81 प्रतिशत लीथियम बैटरियाँ भारत में ही बनती हैं, जबकि कई संस्थान इन बैटरियों की कीमतें कम करने पर शोध कर रहे हैं। यह बात मंत्रालय के उन अधिकारियों ने कही है, जो इन संस्थानों के सम्पर्क में हैं।

यूरोप में भारी “डिप्लोमैटिक” गतिविधि...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुतिन कुछ नहीं कर पाएंगे।

राष्ट्रपति पुतिन अपनी लाज बचाने का कोई फॉर्मूला बड़ी सक्रियता से तलाश रहे हैं, ताकि, युद्ध शुरु करने और अपने देश व अपनी मित्र मण्डली के सहयोगियों के विरूद्ध, कठोर प्रतिबंध लगने का दोष उनके मत्थे ना मढ़ जाए।

पुतिन का अंतिम लक्ष्य, उनके खिलाफ बने पश्चिमी देशों के संयुक्त गठजोड़ को विभाजित करना है, जिसने वैश्विक कूटनीतिक व्यवस्था में उन्हें पूर्णतया अलग-थलग कर दिया है। वे उस समय काफी आवेश में आ गए थे जब रूस को जी-8 से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था। जी-8 विश्व के विकसित एवं सर्वाधिक सशक्त देशों का संगठन है, जो दुनिया के समक्ष मौजूद सबसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर नियमित रूप से अपने विचार व्यक्त करता है।

जी-8 से रूस को बाहर किए जाने का दर्द पुतिन को अब भी सालता है, क्योंकि इसका मतलब था दुनिया के शीर्ष कूटनीतिक मंचों से उनकी उपस्थिति खत्म होना। रूस को बड़ी व्याकुलता से जी-8 व्यवस्था का हिस्सा बनने की इच्छा है।

मैक्रॉँ-पुतिन वार्ताओं को विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि पुतिन को प्रभावित करने में मैक्रॉँ की क्षमता अन्य के मुकाबले ज्यादा है। अन्य की तुलना में उनके पास दो बड़े एडवांटेज है। पहली तो यह कि, पुतिन को लेकर मैक्रॉँ पहले ही काफी कुछ कर चुके हैं।

उन्होंने उनके साथ पिछले दो महीनों में कम से कम पांच बार टेलीफोन पर बातचीत की है। इसके विपरीत अन्य नेताओं, जैसे कि अमेरिकी राष्ट्रपति और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने पुतिन से सिर्फ दो बार ही टेलीफोन पर बातचीत की है।

दूसरी यह कि, फ्रांस के राष्ट्रपति का फिलहाल यूरोप यूनियन (ई.यू.) में दबदबा है, क्योंकि फ्रांस वर्तमान में पूरे छह माह के लिए इसका अध्यक्ष है और रूस के संबंध में ई.यू. के किसी एकीकृत रूख की रूपरेखा बनाने में मैक्रॉँ प्रभावशाली स्थिति में हैं।

रूसी मनोस्थिति पर फ्रांस की एक दीर्घ ऐतिहासिक पकड़ रही है। आधुनिक रूस के निर्माता पीटर द ग्रेट रूस को फ्रांस के ढांचे में ढालना चाहते थे। वर्ष 1917 में हुई रूसी क्रांति के कुलीन वर्ग की भाषा एक तरह से फ्रैंच ही थी।

रूसी बुद्धिजीवियों और लेखकों, सभी को सौन्दर्य प्रसाधनों का आनंद लेने और फ्रैंच मनोभावों को आत्मसात करने के लिए पेरिस आना पड़ता था। तुर्गनेव से लेकर चैकॉव्स्की और टॉल्सटॉय से लेकर बोल्शोई थिएटर, सभी पश्चिमी आचार-विचार और आकांक्षाओं को प्रतिध्वनित करते थे।

रूस बड़ी अधीरता से यह चाहता है कि, यूरोप के कुलीन लोग उसे एक यूरोपीय शक्ति के रूप में मान्यता दें। पुतिन रूस के लिए यह पहचान व सम्मान चाहते हैं।

ममता बनर्जी प्रचार करने लखनऊ पहुंची

कोलकाता, 7 फरवरी। बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) सुप्रीमो ममता बनर्जी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी (एस.पी.) के पक्ष में प्रचार के लिए सोमवार को लखनऊ

- **ममता बनर्जी मंगलवार को अखिलेश यादव के साथ जॉइन्ट प्रैस कॉन्फ्रेंस लेंगी।**

पहुंच गईं। लखनऊ एयरपोर्ट पर सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उनका स्वागत किया। ममता बनर्जी मंगलवार को अखिलेश यादव के साथ संयुक्त पत्रकार वार्ता करेंगी। वह वाराणसी भी जाएंगी। वहां वह काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजा करेंगी।

कुख्यात डकैत जगन गुर्जर ने आत्मसमर्पण किया

कुछ दिनों पहले मीडिया पर, बाड़ी विधायक गिर्राज मलिंगा को धमकी भरा वीडियो वायरल हुआ था। उसी मामले में 50,000 का इनामी बदमाश जगन गुर्जर कई दिनों से फरार चल रहा था

करौली, 7 फरवरी (निस)। कुख्यात डकैत जगन गुर्जर ने करौली पुलिस और डीएसटी (जिला पुलिस) टीम के सामने सोमवार को मासलपुर के जंगलों में आत्मसमर्पण कर दिया।

कई दिनों पहले मीडिया पर बाड़ी विधायक गिर्राज मलिंगा को धमकी भरा वीडियो वायरल हुआ था। उसी मामले में 50000 का इनामी बदमाश और जिला धौलपुर के विभिन्न प्रकरणों में वांछित कुख्यात डकैत जगन गुर्जर पिछले कई दिनों से फरार चल रहा था, लेकिन आज डकैत जगन गुर्जर ने करौली पुलिस और डीएसटी टीम के सामने मासलपुर के जंगलों में आत्मसमर्पण कर दिया। कार्रवाई में

- **आज डकैत जगन गुर्जर ने करौली पुलिस और डीएसटी टीम के सामने मासलपुर के जंगलों में आत्मसमर्पण कर दिया।**
- **पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र इंदौरिया ने बताया कि डकैत जगन के खिलाफ 100 से अधिक मामले दर्ज हैं।**

राजेश कांस्टेबल थाना नादौती, कुंवर सिंह कांस्टेबल थाना नादौती व जिला भरतपुर का पुलिस बल शामिल था।

पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह इंदौरिया ने बताया कि, डकैत जगन के खिलाफ 100 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि धौलपुर में जो वीडियो वायरल हुआ था। उस मामले में जगन गुर्जर को पकड़ने के लिए आईजी के निर्देशन में जिला धौलपुर एवं करौली पुलिस की विभिन्न टीमें बनाई गई थी। उसी के मद्देनजर आज मासलपुर के जंगलों की सूचना मिलते ही डीएसटी टीम के कांस्टेबल राजेश कुमार कॉन्स्टेबल कुमार सिंह और कॉन्स्टेबल पुनीत ने कड़ी मशक्कत करके कुख्यात डकैत जगन गुर्जर को पकड़ने में सफलता हासिल की।

करौली क्षेत्र के कुख्यात डकैत जगन गुर्जर (फोटो में नीचे बैठा हुआ) को पुलिस की जॉइन्ट ऑपरेशन टीम ने सोमवार को मासलपुर के जंगलों से गिरफ्तार किया। पचास हजार के ईनामी जगन गुर्जर के खिलाफ अपराध के 100 से ज्यादा मामले दर्ज हैं।

डेरा सच्चा सौदा के मुखिया राम रहीम को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दलित समुदाय और निर्धन वर्ग में हजारों की संख्या में लोग डेरों के अनुयायी हैं तथा इसलिए माना जा रहा है कि, राम रहीम चुनावों को प्रभावित कर सकते हैं। कांग्रेस ने डेरा सच्चा सौदा प्रमुख की एकाएक रिहाई पर आपत्ति जताई है। राम रहीम के नाम से मशहूर इस बाबा के अनुयायी पंजाब में बहुत बड़ी संख्या में हैं, और ज्ञातव्य है कि, पंजाब में 20 फरवरी को मतदान है। राम रहीम को करीब दो दशकों से पंजाब और हरियाणा के राजनेताओं और राजनैतिक दलों का संरक्षण प्राप्त था क्योंकि चुनावों में उसके अनुयायियों पर उसका प्रभाव काफी महत्व रखता था।

2014 के लोक सभा चुनावों तथा उसके बाद हुये हरियाणा विधानसभा चुनावों में, डेरा सच्चा सौदा तथा पंजाब के भटिंडा जिले के सलाबतपुर के एक प्रतिष्ठित पंथ ने लोगों से भाजपा को वोट

- **डेरा सच्चा सौदा का दावा है कि, देश में उनके 6 करोड़ अनुयायी हैं, जिसमें से 40 लाख तो केवल पंजाब में ही हैं।**
- **2017 में इस डेरे ने अकाली दल-भाजपा को वोट देने का “आदेश” दिया था, विधानसभा चुनाव में, पर यह गठबंधन चुनाव हारा था। लेकिन, 2012 व 2007 में कांग्रेस को वोट देने का “हुक्म” जारी किया था।**

देने की सार्वजनिक अपील की थी। 2017 के पंजाब विधानसभा चुनावों में, इस पंथ ने शिरोमणि अकाली दल-भाजपा गठबंधन को अपना समर्थन-सहयोग दिया था, लेकिन गठबंधन कांग्रेस से पराजित हो गया था। इस पंथ का दावा है कि, पूरे भारत में उसके 6 करोड़ अनुयायी हैं जिनमें से 40 लाख अकेले पंजाब में हैं। तथापि, 2012 व 2007 के विधानसभा चुनावों में इस पंथ ने अपना समर्थन कांग्रेस को दिया था।

डेरा सच्चा सौदा के अनुयायी, यदि वो सौदा प्रमुख के फरमान को मानते हैं, तो मालवा क्षेत्र की 35-40 सीटों के परिणाम प्रभावित करेंगे। ज्ञातव्य है कि, मालवा क्षेत्र, पंजाब का विशालतम राजनैतिक क्षेत्र है, जिसमें 69 विधानसभा क्षेत्र समाहित हैं, जबकि राज्य में कुल 117 विधानसभा सीट हैं। राम रहीम के पूरे पंजाब में 84 परिसर हैं, जिन्हें “सत्संग घर” कहा जाता है, यहाँ पर राम रहीम का आदेश सर्वोपरि माना जाता है।

बलात्कार और हत्या के केसों में दोषी पाए जाने के बाद राम-रहीम वर्ष 2017 से ही हरियाणा की हाई सिक्यूरिटी सुनारिया जेल में बंद है। बलात्कारों और हत्याओं के जुर्म में उन्हें अगस्त 2017 में 20 वर्ष की सजा सुनाई गई थी। उन्हें सजा सुनाए जाने के बाद पंचकुला और सिरसा में हिंसा फैल गई थी, जिसमें 41 जने मारे गए थे और 260 से अधिक घायल हो गए थे। जनवरी 2019 में पंचकुला की एक विशेष सी.बी.आई. कोर्ट ने पत्रकार राम चन्दर छत्रपति की करीब 16 वर्ष पहले हुई हत्या के जुर्म में उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

यह चौथी बार है कि, राम रहीम जेल से बाहर हैं। पहले भी उन्हें विभिन्न कारणों से कुछ समय के लिए जेल से रिहा किया गया था, जिसमें अपनी बीमार मां से मिलने की बात भी शामिल है। हरियाणा के जेल मंत्री रणजीत चौटाला ने कहा कि, राम-रहीम की रिहाई को किसी राजनीतिक नजरिए से ना देखा जाए, क्योंकि उन्हें जेल नियमावली के हिसाब से पैरोल मंजूर की गई है और कैदियों को पैरोल या गैर हाजिर रहने की अनुमति प्रदान किए जाने से राज्य सरकार का कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने इस पर जोर दिया कि, कानूनन कोई भी दोषी अपनी दोषसिद्धि के तीन वर्ष बाद पैरोल या गैरहाजिरी की छूट लेने की पात्रता रखता है। राम-रहीम को मिली गैर हाजिर रहने की छूट पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एस.जी.पी.सी.) ने हरियाणा सरकार से कहा है कि, हत्याओं के जिम्मेवार किसी अपराधी को जेल से रिहा करने से बाज आए। एस.जी.पी.सी. का काम गुरुद्वारों का प्रबंधन करना है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908